

दस्तावेजों के दुरुपयोग का आरोप, बिना जानकारी कर्ज में गवाह बनाने की शिकायत

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी। थाना कोतवाली फूलबेहड़ क्षेत्र के ग्राम अचाकापुर निवासी बृजेश कुमार पुत्र सियाराम ने जनसुनवाई के माध्यम से शिकायत कर आरोप लगाया है कि उनके और उनके पिता के दस्तावेजों का कथित रूप से दुरुपयोग कर उन्हें एक कर्ज की प्रक्रिया में गवाह बना दिया गया । शिकायत के अनुसार, 6 दिसंबर 2025 को आवेदक के पिता का एक्सीडेंट हुआ था। आरोप है कि अस्पताल संबंधी कार्यों, न्यायालय की प्रक्रिया और वाहन छुड़वाने में मदद करने के नाम पर जितेंद्र नामक व्यक्ति एवं अन्य लोगों ने उनके पिता से आधार कार्ड, पैन कार्ड सहित कुछ दस्तावेज तथा सादे स्टाम्प पर अंगूठे के निशान लिए थे। आवेदक का कहना है कि 1 जुलाई 2026 को उनके घर पहुंचे लेखपाल के माध्यम से उन्हें जानकारी हुई कि उनके पिता को कथित रूप से किसी अन्य व्यक्ति के कर्ज में गवाह बनाया गया है। इसके बाद आवेदक ने आरोप लगाया कि अचाकापुर स्थित एक दृष्ट केंद्र पर आधार कार्ड और पैन कार्ड का इस्तेमाल कर उन्हें भी कथित तौर पर उसी कर्ज में गवाह बनाया गया तथा उनके नाम से फर्जी हस्ताक्षर अथवा अंगूठे के निशान का इस्तेमाल किया गया

पराली जलाई तो किसान के साथ लेखपाल पर भी होगी कार्रवाई : डीएम फतेहपुर संवाददाता ।

फसल अवशेष जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने सख्त रुख अपनाया है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में जनपद स्तरीय अधिकारियों, सभी उप जिलाधिकारियों व कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के साथ समीक्षा बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि बिना फसल अवशेष प्रबंधन व्यवस्था के धान की कटाई करते मिले कंबाइन हार्वेस्टर को तत्काल सीज कर अर्थदंड की कार्रवाई की जाए। डीएम ने कहा कि प्रत्येक कंबाइन हार्वेस्टर के साथ सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम, स्ट्रॉ रीपर, स्ट्रॉ रैक, बेलर अथवा अन्य अनुमन्य फसल अवशेष प्रबंधन यंत्र का प्रयोग अनिवार्य रूप से कराया जाए। बिना इन यंत्रों के किसी भी कंबाइन हार्वेस्टर के संचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी। कंबाइन संचालकों और एफपीओ को भी अपने क्षेत्र के किसानों को पराली न जलाने के लिए जागरूक करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विगत वर्षों में अधिक पराली जलाने वाले गांवों को चिह्नित कर किसानों की सूची तैयार करने के निर्देश उप कृषि निदेशक को दिए गए। डीएम ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि संबंधित राजस्व लेखपालों के माध्यम से गांवों में बैठक कर किसानों को जागरूक किया जाए। पराली जलाने की घटना सामने आने पर संबंधित किसान के साथ राजस्व लेखपाल के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

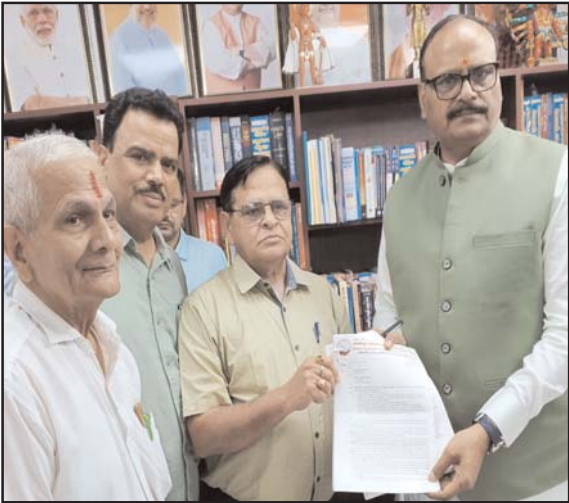
काशी विश्वनाथ धाम में नवागत सीईओ ने किया निरीक्षण

लोक हस्तक्षेप समाचार वाराणसी। वाराणसी में मंगलवार को काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी :सीईओ सत्यम मिश्र ने मंदिर क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों:कर्मचारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। मिश्र ने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम में आने वाले सभी दर्शनार्थियों को सुगमता और सुविधापूर्वक दर्शन कराना मंदिर न्यास की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित किया जाए। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक दर्शनार्थी को एक बेहतर और शांतिपूर्ण धार्मिक अनुभव मिल सके। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता और सुरक्षा मानकों को उच्च स्तर पर बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

बृजेश पाठक से मिला सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर्स कल्याण संघ

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखनऊ। उम्मुमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक से आज सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर्स कल्याण संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की और अपनी मांगे रखी। प्रतिनिधिमंडल मे प्रान्तीय अध्यक्ष, इं आर के भाटिया,कार्यकारी अध्यक्ष इं दिवाकर राय, संरक्षक इं शिव शंकर दुबे,इं एस पी मिश्रा, इं क्षमा नाथ दुबे, वरिष्ठ पेंशनर्स के वी के तिवारी, डिप्लोमा इंजीनियर संघ लो नि वि से इं श्रवण कुमार यादव आदि शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने दिनांक 9 तथा 18 सितंबर 2026 को जारी ,चिकित्सा प्रतिपूर्ति के शासनदेशों से, भविष्य में पेन्शनरों को होने वाली समस्याओं से अवगत कराया



गया तथा अनुरोध किया गया कि अपनी अध्यक्षता मे स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कराकर समाधान करायें। संघ के

प्रान्तीय अध्यक्ष इं आर के भाटिया ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा 9 सितंबर को चिकित्सा प्रतिपूर्ति के दावों हेतु सेवारत एवं सेवानिवृत्त

हेतु एक ही नियमावली सरलीकरण के नाम से जारी की गई है, जिसमे सेवानिवृत्त के लिए बहुत कठिनाइयां उत्पन्न हो गई है, सेवारत का डाटा तो मानव सम्पदा पोर्टल पर उपलब्ध है,जबकि सेवानिवृत्त का इस पोर्टल पर कोई डाटा नहीं है,जिससे सेवानिवृत्त अपने जानकारी अपलोड कर ही नहीं सकते। संघ के कार्यकारी अध्यक्ष इं दिवाकर ने बताया कि सेवानिवृत्त इस प्रक्रिया को कर ही नहीं सकता, अगर वह किसी ई सुविधा केन्द्र से लोड भी करयेगा तो उसे वह आधार, पैन, बैंक डिटेल आदि देनी पड़ेगी जिसका दुरुपयोग हो उसके साथ किसी भी प्रकार का वित्तीय फंड हो सकता। संघ को आशा है कि पेन्शनरो को इस समस्या को शासन सज्ञान मे लेकर शीघ्र पेन्शनर्स हेतु पुरानी प्रक्रिया को यथावत रखेगा।

केंद्र सरकार की मनमानी अब बैंककर्म नहीं सहेंगे

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखनऊ। 5 दिवसीय बैंकिंग लागू करने तथा शेष मुद्दों का शीघ्र निस्तारण हेतु आज सभी बैंककर्मियों ने काला बैज पहन कर काम किया। साथ ही फोरम के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने स्टेट बैंक मुख्य शाखा पर धरना दिया एवं सायं 5 बजे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक कर्मियों ने विशाल प्रदर्शन भी किया। यह जानकारी यू एफ बी यू के जिला संयोजक अनिल श्रीवास्तव ने देते हुए बताया कि बैंक कर्मी, केंद्र सरकार की लगातार उपेक्षा से बाध्य होकर आंदोलन करने के लिए मजबूर हो



गए हैं। राज्य स्तरीय धरने में फोरम के सभी सातो घटकों के वरिष्ठ बैंक नेताओं का मरेड वार्ड के अरोड़ा, दिनेश कुमार सिंह, अजय पांडेय, एस के संगतानी, लक्ष्मण सिंह, वी के माथुर, संदीप सिंह, अशोक अग्रवाल, सचिन केशरवानी ने

अगुवाई की। इनके अलावा काम. एस डी मिश्र, वी के सेंगर, शकील अहमद, नदीम सिद्दीकी, आर एन शुक्ला, विंध्य विक्रम, राकेश पाण्डेय, अनूप कुमार, भारती शर्मा, स्वाति सिंह, तारकेश्व चौहान, धीरज सिंह, आशुतोष वर्मा, पुष्पेंद्र

वर्मा, अनुषा दुबे, सुप्रिया गुप्ता के साथ काम. करुणेश शुक्ला, आकाश शर्मा, वी के श्रीवास्तव, गुरप्रीत सिंह, ओ एन टंडन, शिव कुमार सिंह, आशीष वर्मा, एम जेड हसन आदि बैंक नेताओं ने धरने में भाग लिया। धरने के बाद हुए प्रदर्शन में नेताओं ने कहा कि जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं हो जाती, हमारा संघर्ष जारी रहेगा। केंद्र सरकार की मनमानी बैंककर्मों अब नहीं सहेंगे। अनिल तिवारी, मीडिया प्रभारी ने बताया फोरम द्वारा आगे 25 सितंबर को स्टेट बैंक मुख्य शाखा पर प्रदर्शन एवं रैली तथा 28, 29 एवं 30 सितंबर को तीन दिवसीय देशव्यापी बैंक हड़ताल का आवाह किया गया है।

परसेंडी ब्लॉक प्रमुख ने बीडीओ पर लगाए गंभीर आरोप

● विकास कार्यों में लापरवाही अनियमित भुगतान और कमीशन मांगने का लगाया आरोप डीएम से निष्पक्ष जांच की मांग

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। विकास खंड परसेंडी के ब्लॉक प्रमुख राजेन्द्र प्रसाद राजवंशी ने खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) राजनीश शुक्ला के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को शिकायती पत्र भेजकर निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है। 19 सितंबर 2026 को भेजे गए पत्र में

ब्लॉक प्रमुख ने विकास कार्यों में लापरवाही, कार्य पूर्ण होने से पहले भुगतान, मानकों की अनदेखी तथा ग्राम प्रधानों से कथित कमीशन लिए जाने के आरोप लगाए हैं। शिकायती पत्र के अनुसार ब्लॉक प्रमुख का आरोप है कि विकास कार्यों में कथित अनियमितताओं के कारण शासन की योजनाओं का लाभ ग्रामीणों तक अपेक्षित रूप से नहीं पहुंच पा रहा है। पत्र में कई निर्माण कार्यों का उदाहरण देते हुए भुगतान प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए गए हैं। पत्र में चांदपुर ग्राम पंचायत में केटल/पशुशाला निर्माण के लिए स्वीकृत धनराशि ₹1,74,042 में से ₹1,25,115

भुगतान किए जाने का उल्लेख है। आरोप है कि मौके पर कार्य नहीं कराया गया। इसी प्रकार उदयमपुर में सोनू यादव के मकान से रामसेवलन के मकान तक इंटरलॉकिंग निर्माण में ₹7.60 लाख के भुगतान तथा बिना टेंडर के कार्य कराए जाने का आरोप लगाया गया है।

इसके अलावा कम्मरहा/बजीरपुर क्षेत्र में पारा में डामर रोड से जेपीएस सिंह के कॉलेज तक खंडंजा निर्माण के लिए ₹4.99 लाख के भुगतान का उल्लेख करते हुए कार्य और भुगतान की प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए हैं। पत्र में शाकपुर में स्कूल से तालाब तक नाला निर्माण में ₹22.06 लाख की स्वीकृत

धनराशि में से ₹19,64,385 के भुगतान का हवाला देते हुए आरोप लगाया गया है कि कार्य अधूरा होने के बावजूद भुगतान किया गया। बसैलिया में झाला से नाला तक नाला निर्माण के लिए ₹6.70 लाख के भुगतान का भी उल्लेख है।

कमीशन मांगने का भी आरोप ब्लॉक प्रमुख ने आरोप लगाया है कि स्वीकृत के बाद तथा कार्य पूर्ण होने के बाद भुगतान की प्रक्रिया में कथित रूप से कमीशन लिया जाता है। पत्र में ग्राम प्रधानों से विभिन्न चरणों में कथित कमीशन लिए जाने और भुगतान में अनावश्यक दबाव बनाए जाने के आरोप लगाए गए हैं। हालांकि

इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

ब्लॉक प्रमुख ने जिलाधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए अधिकारियों की टीम गठित करने आरोपों की जांच कराने तथा जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने यह भी कहा है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो क्षेत्र के ग्राम प्रधानों के साथ आंदोलन करने की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

बीडीओ पक्ष का जवाब इस पत्र में दर्ज नहीं है। जांच के बाद ही लगाए गए आरोपों की वास्तविकता स्पष्ट हो सकेगी।

काशी विश्वनाथ धाम में नवागत सीईओ ने किया निरीक्षणए श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन कराने पर जोर

लोक हस्तक्षेप समाचार

वाराणसी। वाराणसी में मंगलवार को काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी :सीईओ सत्यम मिश्र ने मंदिर क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों:कर्मचारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। मिश्र ने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम में आने वाले सभी दर्शनार्थियों को सुगमता और सुविधापूर्वक दर्शन कराना मंदिर न्यास की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित किया जाए। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक दर्शनार्थी को एक बेहतर और शांतिपूर्ण धार्मिक अनुभव मिल सके। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता और सुरक्षा मानकों को उच्च स्तर पर बनाए रखने के निर्देश दिए गए। भीड़ प्रबंधन और कतार व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने पर भी विचार किया गया। सत्यम मिश्र ने कहा कि श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए सुविधाओं का विस्तार आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर प्रशासन दर्शनार्थियों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध है।



सहारा जमाकर्ताओं को एफआईआर के बाद भी भुगतान का इंतजार

● एफआर और जांच रिपोर्ट पर सवाल जिला न्यायालय से सुप्रीम कोर्ट तक सुनवाई में तारीखें मिलने से पीड़ितों में निराशा।

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। सहारा इंडिया की विभिन्न योजनाओं में जमा धनराशि के भुगतान की मांग कर रहे जमाकर्ताओं का मामला लगातार लंबित रहने से पीड़ितों की चिंता बढ़ती जा रही है। सीतापुर कोतवाली में दर्ज एफआईआर संख्या 109/23 के बावजूद भुगतान न होने एफआर लगाए जाने तथा पुनः जांच की स्थिति स्पष्ट न होने को लेकर जमाकर्ताओं ने सवाल उठाए हैं। आल इंडिया जन आंदोलन सहारा संघर्ष न्याय मोर्चा एवं आजाद अधिकार सेना सीतापुर के जिला अध्यक्ष नवल किशोर मिश्रा ने सरकार सुप्रीम कोर्ट तथा अन्य संबंधित न्यायालयों से जमाकर्ताओं के मामले में शीघ्र सुनवाई और उनकी जमा धनराशि के भुगतान की दिशा में प्रभावी कार्रवाई का अनुरोध किया है। नवल किशोर मिश्रा का कहना है कि जमाकर्ताओं ने अपनी मेहनत की कमाई वर्षों के जिला सहारा की विभिन्न योजनाओं में जमा की थी। एफआईआर दर्ज होने के बाद भी उन्हें भुगतान नहीं मिल सका। उनका आरोप है कि मामले में पुलिस की ओर से एफआर प्रस्तुत की गई लेकिन एफआर के आधार और पुनः जांच से संबंधित स्थिति को लेकर जमाकर्ताओं को स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही है।



«आखिर कब होगी सुनवाई?»

मिश्रा ने कहा कि जिला न्यायालय से लेकर उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट तक न्याय की उम्मीद लेकर पहुंच रहे जमाकर्ताओं को लगातार अगली तारीख मिल रही है। उनका कहना है कि आज 22 सितंबर 2026 को भी सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही से संबंधित मामलों में अगली तारीख/सुनवाई की प्रक्रिया सामने आई है जिससे भुगतान की प्रतीक्षा कर रहे जमाकर्ताओं में निराशा है। सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर 22 सितंबर 2026 की cause list उपलब्ध है।

उन्होंने कहा कि «जमाकर्ता आखिर जाएं तो जाएं कहां? उनकी जमा पूंजी वर्षों से फंसी है और न्यायालयों में सुनवाई का इंतजार लगातार बढ़ता जा रहा है।

एफआर और पुनः जांच की स्थिति सार्वजनिक करने की मांग

जमाकर्ताओं ने मांग की है कि एफआईआर संख्या 109/23 की पूरी विवेचना एफआर के

आधार कथित पुनः जांच के आदेश तथा जांच रिपोर्ट की वर्तमान स्थिति स्पष्ट की जाए और संबंधित अभिलेख न्यायालय के समक्ष रखे जाएं।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के पूर्व आदेशों में सहारा समूह की सहकारी समितियों के वास्तविक जमाकर्ताओं के दावों के भुगतान के लिए सीआरसीएस के माध्यम से धनराशि वितरित करने की व्यवस्था की गई थी। वहीं सुप्रीम कोर्ट के रिकॉर्ड में सहारा से जुड़ी विभिन्न कंपनियों, जिनमें Sahara Q Shop Unique Products Range Ltd. भी शामिल है के संबंध में स्फूटह जांच का ऐतिहासिक संदर्भ दर्ज है। नवल किशोर मिश्रा ने सरकार और न्यायपालिका से अनुरोध किया है कि सहारा की विभिन्न योजनाओं के वास्तविक जमाकर्ताओं के मामलों की स्थिति स्पष्ट कर शीघ्र न्यायिक प्रक्रिया पूरी कराई जाए और पात्र जमाकर्ताओं के भुगतान का रास्ता साफ किया जाए।

मांगों को लेकर बैंक कर्मियों ने किया राज्य स्तरीय प्रदर्शन



यूपीआईटीएस में युवाओं की भागीदारी को नया आयाम दे रही योगी सरकार

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा, संवाददाता। ,उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रदेश में आयोजित होने वाले उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) 2026 को केवल व्यापार और निवेश का मंच ही नहीं, बल्कि युवाओं और विद्यार्थियों के लिए सीखने, संवाद करने और वैश्वक कारोबारी वातावरण को समझने का अवसर बनाने पर भी जोर दे रही है। इसी क्रम में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की आयोजन में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। विद्यार्थियों को आयोजन की विभिन्न गतिविधियों में उनकी रचि और क्षमता के अनुरूप जिम्मेदारियां दी जा रही हैं। यह पहल विद्यार्थियों को कक्षा और परिसर से बाहर निकलकर वास्तविक विद्यार्थियों की आयोजन में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। विद्यार्थियों को आयोजन की विभिन्न गतिविधियों में उनकी रचि और क्षमता के अनुरूप जिम्मेदारियां दी जा रही हैं। यह पहल विद्यार्थियों को कक्षा और परिसर से बाहर निकलकर वास्तविक के माहौल को समझने का अवसर देगी।

योजना के अनुसार 25 से 29 सितंबर के दौरान विद्यार्थियों की भागीदारी शटल



संचालन, स्कैनिंग, सांस्कृतिक गतिविधियों, नॉलेज सेशन, इंफॉर्मेशन डेस्क और बी2बी मीटिंग्स सहित विभिन्न कार्यों में रहेगी। विद्यार्थियों को केवल दर्शक के रूप में नहीं, बल्कि आयोजन की व्यवस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभाने वाले वालेंटियर्स के रूप में

जोड़ा गया है।इसके लिए वालेंटियर्स की चार टीमें गठित की गई हैं। इन टीमों के माध्यम से विद्यार्थियों को आयोजन से जुड़ी अलग-अलग जिम्मेदारियों का व्यावहारिक अनुभव मिलेगा। छात्र सहभागिता के लिए फैकल्टी सुपरविजन और नोडल संपर्क की व्यवस्था भी की गई है। योगी सरकार की ओर से युवाओं को उद्यमिता और नवाचार से जोड़ने की दिशा में यूपीआईटीएस में विद्यार्थियों के लिए कई विशेष गतिविधियां प्रस्तावित हैं। इनमें यंग एंटरप्रेन्योर हंट के साथ स्टार्टअप/फाउंडर जोन प्रमुख है। स्टार्टअप और फाउंडर जोन में विद्यार्थियों को उद्यमियों एवं फाउंडर्स के साथ 15 मिनट की इंटरैक्शन का अवसर मिलेगा।इसके अलावा करियर कॉर्नर में इंटरनिंग और लाइव प्रोजेक्ट से संबंधित अवसरों की जानकारी दी जाएगी। इससे विद्यार्थी उद्योग जगत की अपेक्षाओं, रोजगार के अवसरों और वास्तविक प्रोजेक्ट्स की

कार्यप्रणाली को करीब से समझ सकेंगे। छात्रों की सहभागिता को सीखने की गतिविधियों से जोड़ने के लिए इंटरनेशनल पासपोर्ट की भी व्यवस्था की गई है। इसमें विद्यार्थियों को 10 से 15 स्टॉप अर्जित करने होंगे। इसके साथ फोटो इंस्टंलेशन और अलग-अलग देशों को प्रदर्शित करने वाली कंट्री वॉल्स भी विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगी। कॉलेज एक्सपो एबेसडर्स के माध्यम से भी विद्यार्थियों को भागीदारी बढ़ाने की योजना है। इसके तहत प्रत्येक कॉलेज से प्रस्तावित रूप से 5 से 10 विद्यार्थी एबेसडर के तौर पर जोड़े जा सकते हैं। छात्रों के लिए तैयार लॉनिंग एंड रिकॉमिनेशन एंड फ्रेमवर्क में एक्सपो पासपोर्ट को विशेष स्थान दिया गया है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को 8 से 10 डिस्कवरी टाक्सस पूरे करने होंगे। इसके अलावा 45 से 60 मिनट की गाइडेड थोड्ड ट्रेल्स भी आयोजित की जाएंगी। निर्धारित गतिविधियां पूरी करने वाले

विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट्स ऑन कंप्लीशन दिए जाएंगे। इस पूरी व्यवस्था का उद्देश्य विद्यार्थियों की यूपीआईटीएस में मौजूदगी को केवल भ्रमण तक सीमित न रखकर उसे अनुभवात्मक सीख से जोड़ना है। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की यह भागीदारी यूपीआईटीएस को व्यापार, निवेश और शिक्षा के बीच सेतु बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी। एक ओर विद्यार्थी आयोजन प्रबंधन और स्वयंसेवा का व्यावहारिक अनुभव हासिल करेंगे, वहीं दूसरी ओर उन्हें स्टार्टअप, फाउंडर्स, उद्योग, करियर अवसरों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की गतिविधियों को नजदीक से देखने का अवसर मिलेगा। इस तरह योगी सरकार के नेतृत्व में यूपीआईटीएस में व्यापार और निवेश के साथ युवा सहभागिता, कौशल, उद्यमिता और अनुभवात्मक शिक्षा को भी आयोजन का हिस्सा बनाया जा रहा है।

राजेश्वरी प्रसाद विश्वकर्मा का प्रमोशन बने संयुक्त सचिव

नगर विकास विभाग में उप सचिव के पद पर थे तैनात विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों में निभा चुके हैं जिम्मेदारी

लखनऊ संवाददाता। नगर विकास विभाग में उप सचिव के पद पर कार्यरत राजेश्वरी प्रसाद विश्वकर्मा को पदोन्नति मिली है। उन्हें संयुक्त सचिव पद पर प्रोन्नत किया गया है। सचिवालय सेवा में वर्ष 1998 में प्रवेश करने वाले विश्वकर्मा ने अपने सेवकाल में राजस्व, उच्च शिक्षा, समाज कल्याण, सिंचाई और खाद्य सुरक्षा समेत विभिन्न विभागों में जिम्मेदारियां निभाई हैं। विभिन्न विभागों में कार्य करने का उनका अनुभव प्रशासनिक कार्यों में महत्वपूर्ण माना जाता है। राजेश्वरी प्रसाद विश्वकर्मा मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले की हरैया तहसील के निवासी हैं। ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले विश्वकर्मा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक का सफर पूरा करने के बाद सचिवालय सेवा में प्रवेश किया। उनकी पदोन्नति के बाद अब वह संयुक्त सचिव के पद पर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। राजेश्वरी प्रसाद विश्वकर्मा ने हाईस्कूल की शिक्षा नेशनल इंटर कॉलेज से प्राप्त की। इसके बाद इंटरमीडिएट की परीक्षा राजकीय इंटर कॉलेज, फैजाबाद से उत्तीर्ण की। उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय का रुख किया, जहां से बीए और एमए की डिग्री हासिल की। शैक्षिक योग्यता पूरी करने के बाद वर्ष 1998 में वह उत्तर प्रदेश सचिवालय सेवा में शामिल हुए। इसके बाद विभिन्न सरकारी विभागों में कार्य करते हुए प्रशासनिक अनुभव हासिल किया। राजस्व, उच्च शिक्षा, समाज कल्याण, सिंचाई और खाद्य सुरक्षा जैसे विभागों में उनकी तैनाती रही। वर्तमान में वह नगर विकास विभाग में उप सचिव के पद पर कार्यरत थे। सचिवालय सेवा के दौरान राजेश्वरी प्रसाद विश्वकर्मा ने अलग-अलग विभागों की कार्यप्रणाली और प्रशासनिक जिम्मेदारियों से जुड़े कार्य किए। विभागीय दायित्वों के अनुभव के बीच अब उन्हें संयुक्त सचिव पद पर पदोन्नति दी गई है।



को क्षेत्रीय अभिसूचना, अयोध्या का एस्पपी नियुक्त किया गया है। क्षेत्रीय अभिसूचना, बरेली के एस्पपी आनन्द कुमार-II को सीआईडी, लखनऊ भेजा गया है।

वंशराज सिंह यादव को बनाया प्रयागराज का एस्पपी

क्षेत्रीय अभिसूचना, अयोध्या के एस्पपी संजय राय को ईओडब्ल्यू का एस्पपी बनाया गया है। एटीएस में तैनात शशि शेखर सिंह को 11वीं वाहिनी पीएसी, सीतापुर का सेनानायक बनाया गया है। सीआईडी मुख्यालय के एस्पपी वंशराज सिंह यादव को तीसरी वाहिनी एसएसएफ, प्रयागराज का एस्पपी बनाया गया है।

पुलिस अधीक्षक, सुरक्षा, मथुरा के पद पर तैनात राजकुमार को सतकंठा अधिष्ठान का एस्पपी

बनाया गया है। प्रीतिबाला गुप्ता अब एटीएस की एस्पपी होंगी। पुलिस मुख्यालय के एस्पपी कमल किशोर को ईओडब्ल्यू का एस्पपी बनाया गया है।यूपीपीसीएल मुख्यालय के एस्पपी देवेश कुमार शर्मा को खाद्य प्रकोष्ठ का एस्पपी बनाया गया है। राहुल मिश्रास तकनीकी सेवाएं के एस्पपी होंगे। डा. कृष्ण गोपाल को पीटीसी, मुरादाबाद के एस्पपी पद पर भेजा गया है।शोएब इकबाल को एसीओ मुख्यालय से एस्पपी, यातायात निदेशालय के पद पर भेजा गया है। पवित्र मोहन त्रिपाठी अब आरटीसी, चुनार के एस्पपी होंगे। आलोक कुमार शर्मा सतकंठा अधिष्ठान के एस्पपी होंगे। महेश सिंह अत्रि को पीटीएस, मुरादाबाद से पुलिस अधीक्षक, क्षेत्रीय अभिसूचना, बरेली नियुक्त किया गया है।

चिड़ियाघर में बेटी पद्मजा के जन्मदिन पर अपर्णा ने गोद लिया जिराफ



लखनऊ संवाददाता। राजधानी लखनऊ में अपर्णा यादव अपनी छोटी बेटी पद्मजा के आठवें जन्मदिन पर चिड़ियाघर पहुंचीं। इस मौके पर बेटी ने लखनऊ जू की जिराफ सुजाता को गोद लिया। पद्मजा ने बताया कि वह जू आई थीं। उसे सुजाता सबसे अच्छी लगी, इसलिए उसने उसे गोद लेने का फैसला किया। दिवंगत प्रतीक यादव की पशु-प्रेम और सेवा की भावना को आगे बढ़ाते हुए परिवार ने यह पहल की। अपर्णा यादव ने बताया कि दोनों बच्चों को इच्छा थी कि पिता की स्मृति में किसी पशु को गोद लिया जाए। उन्होंने लोगों से भी पशुओं की देखभाल और संरक्षण के लिए आगे आने की अपील की। अपर्णा यादव ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि पशुओं की मदद के लिए भी समाज को आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि मानवता केवल मनुष्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि पशुओं को भी इसकी जरूरत है। उन्होंने लोगों से अपनी क्षमता के

अनुसार पशुओं के लिए योगदान करने का आग्रह किया। उन्होंने भगवान श्रीराम का उदाहरण देते हुए कहा कि रामायण में वानरों की सेना की मदद से लंका पर विजय प्राप्त करने की बात आती है। उनके मुताबिक, पशुओं के आशीर्वाद से भी बहुत कुछ किया जा सकता है। अपर्णा यादव ने कहा कि पशुओं में ऐसी ईश्वरीय शक्ति और संवेदनशीलता होती है, जो कई चीजों को मनुष्यों से अलग तरीके से समझती है। उन्होंने कहा कि पशु बोल नहीं सकते, इसलिए उनकी भावनाओं और अभिव्यक्ति का तरीका अलग होता है। उन्होंने लोगों से दुनिया को और संवेदनशील बनाने के लिए मिलकर काम करने की अपील की। अपर्णा यादव ने कहा कि पशु सेवा और उनके प्रति संवेदना का संदेश दिवंगत प्रतीक यादव भी देते थे और परिवार आज इसी भावना को आगे बढ़ाने के लिए यह पहल कर रहा है।

विपरीत परिस्थितियों से पशु स्वास्थ्य उद्यमी बनने तक : संगीता ने गढ़ी नई राह

लखनऊ संवाददाता। कानपुर देहात के श्रावणखेड़ा क्षेत्र के करासा गांव की 32 वर्षीय संगीता ने आर्थिक कठिनाइयों, पारिवारिक जिम्मेदारियों और सीमित अवसरों के बावजूद आगे बढ़ने का रास्ता बनाया। आज वह अपने परिवार की आर्थिक सुख्खा में योगदान देने के साथ-साथ एक भरोसेमंद पशु उद्यमी के रूप में सैकड़ों परिवारों को बकरी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रही हैं।14 वर्ष पहले 12वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद संगीता अपने ससुराल आईं। शादी के बाद उन्होंने बीए में दाखिला लिया, लेकिन आर्थिक परेशानियों के कारण दो वर्ष बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ी। पति के एक गंभीर दुर्घटना में घायल होने और करीब छह महीने तक काम न कर पाने से परिवार पर आर्थिक दबाव बढ़ गया। परिवार की मदद के लिए संगीता ने खेती और पशुपालन में हाथ बंटाना शुरू किया। बाद में उन्होंने पति के साथ पानी पुरी की दुकान भी शुरू की।

दोनों की मेहनत से परिवार ने ई-रिक्शा खरीदी और अपने घर का पुनर्निर्माण कराया। इसी दौरान उन्हें द नज फाउंडेशन की आशा किर्ण



पहल के बारे में जानकारी मिली, जिसे उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (कस्करू) और गेट्स फाउंडेशन का सहयोग प्राप्त है। उनकी शिक्षा, उद्यमशीलता और आगे बढ़ने के जज्बे को देखते हुए उन्हें पशु सखी चुना गया। संगीता ने बकरी स्वास्थ्य प्रबंधन पर तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण पूरा किया, जिसमें निवारक डी-वॉर्मिंग, टीकाकरण और प्राथमिक उपचार की जानकारी दी गई।

इसके अलावा, उन्होंने 10 से अधिक विशेष प्रशिक्षण सत्रों में भाग लेकर अपना तकनीकी ज्ञान और आत्मविश्वास मजबूत किया। मई 2024 में उन्होंने केवल ₹ 500 के शुल्कआती निवेश से पशु उद्यमी के रूप में काम शुरू किया। तब से वह अपनी पंचायत में 278 परिवारों और 600 से अधिक

बकरियों को स्वास्थ्य सेवाएं दे चुकी हैं और ₹ 75,240 की आय अर्जित कर चुकी हैं। इस आय से वह बच्चों की शिक्षा, घर की जरूरतों और व्यक्तिगत खर्चों में योगदान देती हैं तथा बैंक खाते में स्वतंत्र रूप से बचत करती हैं। अब उन्हें आजीविका संबंधी जरूरतों के लिए दूसरों से उधार लेने पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। उनके काम से समुदाय में उनकी पहचान भी बदली है। ग्रामीण अब बकरियों के स्वास्थ्य और उपचार संबंधी सलाह के लिए उनसे संपर्क करते हैं। संगीता कहती हैं, 'मैं अपने परिवार में योगदान देना चाहती थी और साथ ही अपना कुछ बनाना चाहती थी। पशु उद्यमी बनने से मुझे दोनों काम करने का आत्मविश्वास मिला है। अब गांव में लोग मुझे भेरे काम से पहचानते हैं।

संक्षिप्त सभाचार

चरित्र निर्माण की भी है शिक्षकों की जिम्मेदारी : गुलाब देवी

लखनऊ संवाददाता। माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि आज योग्यता, परिश्रम और लगन के बल पर चर्यनित अभ्यर्थियों को निर्युक्ति मिल रही है। अब उनकी वास्तविक जिम्मेदारी शुरू हो रही है। शिक्षक और विद्यार्थी का संबंध भावनात्मक होता है और अभिभावक अपने बच्चों को शिक्षकों को इस विश्वास के साथ सौंपते हैं कि वे उन्हें ज्ञान के साथ संस्कार, अनुशासन, चरित्र निर्माण, देशभक्ति और अच्छे व्यक्तित्व का विकास प्रदान करेंगे। शिक्षक स्वयं बच्चों के लिए आदर्श बनें, क्योंकि विद्यार्थी शिक्षक के व्यवहार, आचरण और कार्यशैली से सीखते हैं। नई शिक्षा नीति-2020 की भावना भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की है। सरकार शिक्षा व्यवस्था में गुणवत्ता, पारदर्शिता और तकनीक के उपयोग पर विशेष ध्यान दे रही है तथा शिक्षकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए भी अनेक सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। उन्होंने चयनित शिक्षकों से निष्ठा, सजगता, उमंग और उत्साह के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

नशा मुक्ति अभियान पर छात्राओं ने लिया नशे से दूर रहने का संकल्प

लखनऊ संवाददाता। राजधानी के राजाजीपुरम स्थित पंडित दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मंगलवार को जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय सेवा संकल्प अभियान-नशा मुक्ति अभियान फॉर विकसित भारत था। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना था। इस मौके पर छात्राओं को तंबाकू सेवन से दूर रहने और नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. शिवानी श्रीवास्तव के निदेशन में किया गया। प्राचार्य शिवानी श्रीवास्तव ने कहा कि युवा पीढ़ी किसी भी राष्ट्र की महत्वपूर्ण शक्ति है। स्वस्थ और जागरूक युवा ही विकसित भारत के निर्माण में प्रभावी योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम में छात्राओं को पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन और कई चलचित्रों के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। वहीं, डॉ. प्रज्ञा मिश्रा ने छात्राओं को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के 15 प्राध्यापकों और 265 छात्राओं ने स्वास्थ्य जागरूकता, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने का संकल्प लिया। प्राध्यापकों ने छात्राओं को नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। संगोष्ठी में आयोजन समिति के सदस्य डॉ. संजीव कुमार अग्रवाल, डॉ. प्रज्ञा मिश्रा, डॉ. विशाखा कमल और डॉ. शेफाली सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना की सद्भावना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निशी मिश्रा और प्रेरणा इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विशाल वर्मा ने नशे से बचने के उपाय बताए।

सौंदर्य हालत में फांसी के फंदे से

लटका मिला युवक का शव

लखनऊ संवाददाता। मंगलवार सुबह एक युवक का शव उसके कमरे में सौंदर्य हालत में फांसी के फंदे से लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मुतक की पहचान उन्नाव जिले के बारा सगवर थाना क्षेत्र के धानी खेड़ा निवासी 19 वर्षीय रवि धीमान के रूप में हुई है। रवि पिछले करीब 4 सालों से सरोजनीनगर के अमौसी गांव में शिवांशु सिंह के तीन मंजिला मकान के ग्राउंड फ्लोर पर किराए के कमरे में अकेला रहता था। वह टाइल्स लगाने का काम करता था। मंगलवार सुबह करीब 8 बजे मकान की तीसरी मंजिल पर परिवार के साथ किराा पर रहने वाले कुलदीप अपने बच्चों को स्कूल छोड़ने के लिए नीचे उतरे। उन्होंने देखा कि रवि का कमरा खुला था और अंदर रवि पंखे से चुन्नी के सहारे लटका हुआ था। कुलदीप ने तुरंत इसकी सूचना मकान मालिक शिवांशु को दी। इसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर रवि के परिवार वालों को सूचना दी और शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में यह आत्महत्या का मामला लग रहा है। हालांकि, उसके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और उसने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण साफ नहीं हो पाया है। घटना की सूचना मिलने पर पहुंचे परिवार वालों ने पहले तो पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया। लेकिन बाद में पुलिस के समझाने पर वे इसके लिए तैयार हो गए। रवि के परिवार में उसके पिता सुंदरलाल, मां और दो छोटे भाई अंशुल और प्रिंस हैं। वह अपने भाइयों में सबसे बड़ा था। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

बुजुर्गों की सेवा कर रही योगी सरकार

लखनऊ संवाददाता। वृद्धावस्था में बुजुर्गों को सुरक्षित आश्रय के साथ स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन मिले, इसके लिए योगी सरकार की ओर से वृद्धाश्रमों में सुविधाओं को लगातार बेहतर किया जा रहा है। समाज कल्याण विभाग की ओर से संचालित प्रदेश के 75 वृद्धाश्रमों में नियमित साप्ताहिक स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। इन शिविरों में चिकित्सकों की टीम आश्रम पहुंचकर बुजुर्गों की बीपी, शुगर, नेत्र और सामान्य स्वास्थ्य की जांच करती है। जरूरत के अनुसार उन्हें आवश्यक दवाएं भी नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं।वृद्धाश्रमों में रहने वाले बुजुर्गों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को साप्ताहिक स्वास्थ्य जांच शिविर के निर्देश दिए गए हैं। डॉक्टरों की टीम आश्रमों में पहुंचकर संवांसियों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों का परीक्षण करती है। बीपी, शुगर और नेत्र जांच के साथ सामान्य स्वास्थ्य की भी जांच की जाती है। समाज कल्याण विभाग की ओर से बुजुर्गों के दैनिक जीवन को सुविधाजनक बनाने के साथ उनके मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य का भी ध्यान रखा जा रहा है।

राजकीय महिला शरणालय भवन का लोकार्पण करेंगे सीएम

लखनऊ संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल बुधवार को गोरखपुर में महिला कल्याण विभाग संचालित राजकीय महिला शरणालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करेंगे। निर्माणाधीन राजकीय संप्रेशन गृह किशोर का भी निरीक्षण करेंगे।चरगावा में कृषि विभाग के बीज गोदाम के समीप 8 करोड़ 5 लाख 42 हजार रुपये की लागत से राजकीय महिला शरणालय के भवन का निर्माण कराया गया है। इस भवन की क्षमता 100 महिलाओं के रहने की है। इसमें आवासीय सुविधा के साथ आवश्यक सहायक सुविधाओं का प्रावधान किया गया है। 10 डायनेट्री कक्ष, 4 अध्ययन कक्ष, रोगी कक्ष, क्रेच रूम, डाइनिंग हॉल, किचन, स्टोर, शौचालय



एवं स्नानघर जैसी आवश्यक सुविधाओं का निर्माण किया गया है। प्रशासनिक एवं संचालन संबंधी कार्यों के लिए वर्कशॉप, वार्डन कक्ष एवं कार्यालय की व्यवस्था की गई है। संवांसिनियों के अध्ययन एवं ज्ञानवर्धन हेतु पुस्तकालय भी बना है। राजकीय महिला शरणालय, महिला

कल्याण विभाग के अधीन संचालित एक कार्यणात्मक एवं आवासीय संस्था है। शरणालयों की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य घरेलू हिंसा, जरूरतमंद, संकटपूर्ण परिस्थितियों, भटकाव अथवा सामाजिक एवं पारिवारिक कठिनाइयों से प्रभावित महिलाओं को सुरक्षित आश्रय, संरक्षण एवं

आवश्यक सहयोग प्रदान करना है। राजकीय महिला शरणालय का लोकार्पण करने से पहले मुख्यमंत्री किशोरों के लिए निर्माणाधीन संप्रेशन गृह का निरीक्षण करेंगे। चरगावा में कृषि विभाग के बीज गोदाम के समीप ही राजकीय संप्रेशन गृह

किशोर का निर्माण 14 करोड़ 87 लाख रुपये की लागत से कराया जा रहा है। इसकी क्षमता 100 किशोरों के रहने की होगी। किशोर न्याय बोर्ड के लिए पृथक ब्लॉक का प्रावधान किया गया है। निर्माण फरवरी 2027 तक पूर्ण होने की उम्मीद है। राजकीय संप्रेशन गृह किशोर का मुख्य उद्देश्य कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चों को सुरक्षित, संरक्षित, बाल-अनुकूल एवं सुधारात्मक वातावरण उपलब्ध कराते हुए उनकी समुचित

देखभाल, संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोसामाजिक सहयोग, कौशल विकास एवं पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित करना है। इस गृह में ऐसे बालकों को रखा जाता है जिन्हें किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया हो तथा जिनके संबंध में बोर्ड द्वारा विधि के अनुरूप आवश्यक आदेश पारित किए गए हों। 23 सितंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखनाथ मंदिर में ससदिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ कार्यक्रम में भी सम्मिलित होंगे। यह कथा ब्रह्मलीन महंत दिव्यजयनाथ की 57वीं और ब्रह्मलीन महंत अवेधनाथ की 12वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही है। प्रख्यात कथावाचक वृंदावन के मलुक पीठाधीश्वर राजेंद्रदास श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा सुनाएंगे।

उत्तर रेलवे				
ई-निविदा सूचना				
भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (ईएनएसएम एण्ड डीएम) लखनऊ के द्वारा ई टेंडर संख्या 76-EnHm-BEMCO-CAMC-26 के अंतर्गत एकल निविदा आमंत्रित की जाती हैं। जिसके बंद होने की तिथि व समय 12.10.2026, 15:00 बजे तक है और उसी दिन 15:30 बजे वेबसाइट पर खोला जाएगा। बोली लगाने वाले अपने मूल या संशोधित बोलियां सिर्फ समाप्ति दिनांक एवं समय तक ही जमा कर पाएंगे। इस टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। टेंडरर ध्यान दें कि निविदा या ईएमएम IREPS पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन माध्यम जैसे नेट बैंकिंग डेबिट /क्रेडिट कार्ड इत्यादि तरीकों से करना होगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, कैश डिमांड/जिट रसीद वगैरह के जरिए मैन्युअल /ऑफलाइन पेमेंट की अनुमति नहीं है।				
कार्य का नाम	कम्योहेसिव एनुअल मेटेनेन्स कास्टवेट (सीएमएससी) ऑफ BEMCO मक हाइड्रोसिक रिरेसिंग डिविजयन (HRE) सेट्स एक्सेलबल एट लखनऊ, अयोध्या मेंक वाराणसी ईंड एमबीडीपी डिपो इन्वोक्यूजिंग वन स्क्वयर चौर पैक चेंड वन स्क्वयर कंट्रोलेड डेलिव ईच वन AYC ईंड BSB डिपो ऑफ लखनऊ डिडीजन फॉर ए पीरियड ऑफ 03 ईयर्स			
टेंडर का प्रकार	सुची निविदा	निविदा पद्धति	ओपन बिड सिस्टम	
टेंडर समाप्ति दिनांक एवं समय	12.10.2026 15:00 बजे	अपलोडिंग दिनांक	22.09.2026	
प्री बिड हॉ/ना	नहीं	प्री बिड क्यूरी डेट टाइम	नॉट अप्लीकेबिल	
एडवरेटाइज्ड वेल्थ (₹.)	1,01,07,683.00 रुपए जीएसटी सहित	टेंडरिंग सैकशन	टेंडरर ओफ (ईएनएसएम एण्ड डीएम)	
निविदा का तरीका	निविद रेट फार फाइनल आइटम	बिडिंग यूनिट	% ऊपर/नीचे/ ईट पार	
बरोहर राशि (₹.)	2,03,40,000	आपार धेवता (दिनों में)	45 दिन	
निविदा मूल्य (₹.)	Nil	निविदा प्राप्‍त तिथि	28.09.2026	
No. 76-EnHm-BEMCO-CAMC-26 दिनांक : 21.09.2026				3282/2026
ग्राहकों की सेवा में सुस्काज के साथ				

तीसरे विश्व युद्ध के मुहाने पर दुनिया



राजीव तिवारी बाबा

दुनिया के अलग-अलग कोनों में इस समय जो कुछ हो रहा है, उसे अगर अलग-अलग घटनाओं के रूप में देखा जाए तो शायद सब कुछ सामान्य भू-राजनीतिक संघर्ष जैसा लगे। लेकिन रूस के यूक्रेन पर हमले, यूक्रेन के रूस के भीतर गहवारे ड़े़न हमले, यूरोप की युद्ध और नागरिक सुरक्षा की तैयारियां, नाटो की बढ़ती सैन्य सक्रियता, अमेरिका की बदलती रणनीति, इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध, सऊदी अरब पर हूती मिसाइल और ड्रोन हमले तथा लाल सागर और होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर बढ़ते खतरे को एक साथ रखकर देखें तो तस्वीर बेहद भयावह नजर आती है। दुनिया एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुकी है जहां तीसरे विश्व युद्ध की संभावना भले ही निश्चित न हो, लेकिन उसके लिए परिस्थितियां जरूर बनती दिखाई दे रही हैं। सबसे बड़ा और सबसे पुराना मोर्चा रूस-

यूक्रेन का है। चार साल से ज्यादा समय से चल रहा युद्ध अब पारंपरिक सीमा युद्ध से आगे निकल चुका है। 20 सितंबर को यूक्रेन ने रूस पर एक हजार से अधिक ड़े़न दागे, जिनमें सैकड़ों मॉस्को क्षेत्र की ओर थे। रूस की राजधानी पर इसे अब तक के सबसे बड़े ड़े़न हमलों में बताया गया है। इसके जवाब में यूक्रेन के शहर भी रूसी हमलों का सामना कर रहे हैं। युद्ध के मोर्चे पर जमीन भले ही सीमित गति से बदल रही हो, लेकिन ड़े़न और लंबी दूरी के हमलों ने युद्ध को दोनों देशों के भीतर तक पहुंचा दिया है। यही वह बिंदु है जहां रूस-यूक्रेन युद्ध यूरोप की चिंता बन जाता है। यूक्रेन के आसपास के नाटो देशों में अब यह आशंका बढ़ रही है कि युद्ध की कोई घटना उनकी सीमा में प्रवेश कर सकती है। पोलैंड ने यूक्रेन सीमा पर सीमा चौकियों और महत्वपूर्ण ढांचे को मजबूत करना शुरू कर दिया है। रूसी ड़े़न घटनाओं के बाद वहां बंकर जैसी सुरक्षा संरचनाएं, निगरानी चौकियां और विस्फोटरोधी अवरोध बनाए जा रहे हैं यूरोप की तैयारी केवल सीमा सुरक्षा तक सीमित नहीं है। नाटो के सामने अब यह सवाल भी है कि अगर भविष्य का युद्ध ड़े़न, साइबर हमलों, मिसाइलों और सेटेलाइट आधारित तकनीक से

लड़ा गया तो उसकी सेनाएं और नागरिक ढांचा कितने तैयार हैं। हाल के नाटो अभ्यासों में युद्धकालीन अस्पतालों, हवाई सुरक्षा और बड़े पैमाने पर घायल सैनिकों से निपटने जैसी परिस्थितियों का अभ्यास किया गया है। यूक्रेन का युद्ध यूरोपीय देशों को यह सिखा चुका है कि सस्ता ड़े़न भी मही सैन्य प्रतिष्ठान के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। यूरोप के कई देशों की चिंता अब संभावित रूसी गतिविधियों तक पहुंच गई है। पोलैंड और फ्रांस के नेताओं ने रूसी हाईब्रिड गतिविधियों को लेकर चेतावनी दी है, जबकि बाल्टिक देशों के सुरक्षा अधिकारी रूस की संभावित भविष्य की कार्रवाइयों पर नजर रख रहे हैं। हालांकि यही सुरक्षा आकलन यह भी कहते हैं कि तत्काल किसी नाटो देश पर रूसी हमले का निश्चित संकेत नहीं है। यानी खतरा वास्तविक चिंता का विषय है, लेकिन उसे आसन्न विश्व युद्ध का प्रमाण मानना अभी उचित नहीं होगा। इस पूरे समीकरण में अमेरिका की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। अमेरिका नाटो का सबसे बड़ा सैन्य शक्ति केंद्र है, लेकिन यूरोप में उसकी भूमिका को लेकर स्वयं यूरोपीय देशों में अनिश्चितता बढ़ी है। ट्रंप प्रशासन अमेरिकी सैन्य उपस्थिति और सहयोगी देशों की भूमिका की

समीक्षा कर रहा है। इसके परिणामस्वरूप यूरोप अब अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाने और अमेरिकी हथियारों तथा सुरक्षा छत्री पर निर्भरता कम करने की दिशा में भी सोच रहा है। रूस से खतरे के बीच यूरोप का फिर से हथियारों और सैन्य ढांचे पर भारी खर्च करना आने वाले वर्षों की सुरक्षा राजनीति को बदल सकता है। लेकिन दुनिया का दूसरा और शायद ज्यादा विस्फोटक मोर्चा मध्य-पूर्व है। अमेरिका और इजराइल का ईरान के साथ युद्ध महीनों से चल रहा है। ईरान ने हाल में चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका या उसके सहयोगी कोई नया बड़ा हमला करते हैं तो वह अमेरिकी ठिकानों और क्षेत्रीय सहयोगियों के खिलाफ लगातार जवाबी कार्रवाई करेगा। अमेरिका ने भी क्षेत्र में अपने नागरिकों के लिए सुरक्षा चेतावनी जारी की है और संभावित नए सैन्य दृष्टाष्टुदृष्टाष्टु की आशंका के बीच हवाई यातायात में बाधा की चेतावनी दी गई है। ईरान और इजराइल का संघर्ष इसलिए भी खतरनाक है क्योंकि यह केवल दो देशों का संघर्ष नहीं है। इसके प्रभाव और ड़े़न क्षेत्र में फैल चुके हैं। अमेरिका इस संघर्ष में सीधे शामिल है, इजराइल लगातार सैन्य कार्रवाई कर रहा है और ईरान की प्रतिक्रिया का असर उसके

सहयोगी संगठनों और क्षेत्रीय मोर्चों पर पड़ रहा है। इजराइल की ओर से गाजा और लेबनान में भी सैन्य गतिविधियां जारी हैं। इस तरह मध्य-पूर्व का संघर्ष एक बहुस्तरीय युद्ध का रूप ले चुका है। और इसी आग में अब यमन का मोर्चा भी तेजी से भड़क रहा है। ईरान समर्थित हूती लड़ाकों ने हाल के दिनों में यमन के लाल सागर तट पर महत्वपूर्ण इलाकों पर कब्जा मजबूत किया है। बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य के आसपास उनकी स्थिति मजबूत होने से दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक पर दबाव बढ़ गया है। रॉयटर्स के अनुसार हूतियों की बढ़त ने सऊदी अरब के सामने गंभीर सुरक्षा चुनौती खड़ी कर दी है और संघर्ष अब फिर से सऊदी क्षेत्र तक पहुंच गया है। 19 सितंबर को सऊदी अरब ने कहा कि हूतियों ने रियाद की ओर बैलिस्टिक मिसाइल दागी जिसे उसकी वायु रक्षा ने रोक लिया। हूतियों ने सऊदी तेल प्रतिष्ठानों और अन्य ठिकानों को निशाना बनाने के दावे भी किए हैं। अगले दिन रियाद के आसपास मिसाइल और ड़े़न हमलों के बाद सऊदी शेयर बाजार समेत खाड़ी के बाजारों में भी दबाव दिखाई दिया। यहीं से सऊदी अरब का संकट भी महत्वपूर्ण हो जाता है।

एक तरफ उसे यमन में हूतियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करनी पड़ रही है, दूसरी तरफ उसे ईरान के साथ बड़े क्षेत्रीय टकराव से बचना है। अमेरिका ने सऊदी अरब की हूतियों के खिलाफ लड़ाई में सीधे सैन्य हस्तक्षेप से दूरी रखी है। इसी बीच तुर्की ने सऊदी अरब की रक्षा जरूरतों में मदद की संभावना जताई है और चीन ने सऊदी अपील के बाद ईरान से हूतियों को नियंत्रित करने का आग्रह किया है। यानी एक स्थानीय युद्ध अब अमेरिका, ईरान, सऊदी अरब, तुर्की और चीन तक की कूटनीति को प्रभावित कर रहा है। सबसे खतरनाक बात समुद्री रास्तों को लेकर है। होर्मुज जलडमरूमध्य से लेकर बाब-अल-मंदेब तक दुनिया के महत्वपूर्ण ऊर्जा और व्यापार मार्ग दबाव में हैं। होर्मुज में ईरान की कार्रवाई और बाब-अल-मंदेब के आसपास हूतियों की बढ़ती पकड़ का असर केवल युद्धत देशों पर नहीं पड़ेगा। खाड़ी से निकलने वाला तेल, एशिया और यूरोप का व्यापार तथा वैश्विक ईंधन कीमतें इससे प्रभावित होती हैं। सऊदी अरब की पूर्व-पश्चिम तेल पाइपलाइन को हुए नुकसान और समुद्री मार्गों पर खतरे ने ऊर्जा सुरक्षा की चिंता और बढ़ा दी है। इसका अर्थ यह है कि आज युद्ध की आग सिर्फ सैनिकों

और सीमाओं को नहीं जला रही। वह पेट्रोल की कीमत, खाद्य महंगाई, समुद्री व्यापार, बीमा लागत, विमान सेवाओं और वैश्विक अर्थव्यवस्था तक पहुंच रही है। एक तरफ काला सागर और यूक्रेन के रास्ते खाद्य एवं ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित है, दूसरी तरफ मध्य-पूर्व में तेल और समुद्री व्यापार पर संकट है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के इस वर्ष के सत्र में भी यूक्रेन और मध्य-पूर्व के युद्धों को वैश्विक संकट के प्रमुख केंद्रों के रूप में देखा जा रहा है। और खतरे का एक और पहलू है-मध्य एशिया। रूस वहां अपनी सुरक्षा भूमिका मजबूत कर रहा है और सामूहिक सुरक्षा ढांचे के तहत सैन्य अभ्यास हो रहे हैं। अफगानिस्तान की अस्थिरता, रूस की सुरक्षा चिंताएं और मध्य एशिया की रणनीतिक भौगोलिक स्थिति इस क्षेत्र को भी आने वाले संघर्षों की महत्वपूर्ण कड़ी बनाती है। रूस यदि यूरोप में पश्चिम से टकराव में उलझ रहा है और साथ ही मध्य एशिया में अपनी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करता है तो उसकी सैन्य और रणनीतिक प्राथमिकताओं का दायरा बहुत व्यापक हो जाता है। इस पूरे परिदृश्य में बात विशेष रूप से चिंताजनक है-दुनिया में युद्ध के मोर्चे बढ़ रहे हैं, लेकिन युद्ध रोकने की सामूहिक क्षमता कमजोर

दिखाई दे रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद यूक्रेन संकट का समाधान नहीं कर पा रही क्योंकि रूस स्वयं स्थायी सदस्य है। मध्य-पूर्व में भी महीनों के संघर्ष के बावजूद निर्णायक कूटनीतिक समाधान सामने नहीं आया है। इसी बीच सैन्य गठबंधन और क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्थाएं मजबूत होती जा रही हैं। यहां इतिहास एक गंभीर चेतावनी देता है। पहला विश्व युद्ध केवल इसलिए विश्व युद्ध नहीं बना था कि यूरोप में तनाव था, बल्कि इसलिए बना क्योंकि अलग-अलग देशों के गठबंधन, सैन्य प्रतिबद्धताएं और एक के बाद एक लिए गए फैसले एक स्थानीय संकट को व्यापक युद्ध में बदलते चले गए। आज परिस्थितियां बिल्कुल वैसी नहीं हैं, लेकिन परमाणु हथियारों और आधुनिक मिसाइल-ड़े़न तकनीक के कारण किसी छोटी घटना के परिणाम कहीं ज्यादा विनाशकारी हो सकते हैं। फिर भी यह कहना कि तीसरा विश्व युद्ध शुरू होने ही वाला है, तथ्यों से आगे निकल जाना होगा। रूस और नाटो के बीच सीधा युद्ध अभी नहीं हुआ है और यूरोपीय सुरक्षा अधिकारियों के आकलन में भी तत्काल रूसी हमले की कोई निश्चित पुष्टि नहीं है। मध्य-पूर्व में भी युद्ध के समानांतर बातचीत और मध्यस्थता के प्रयास चलते रहे हैं।



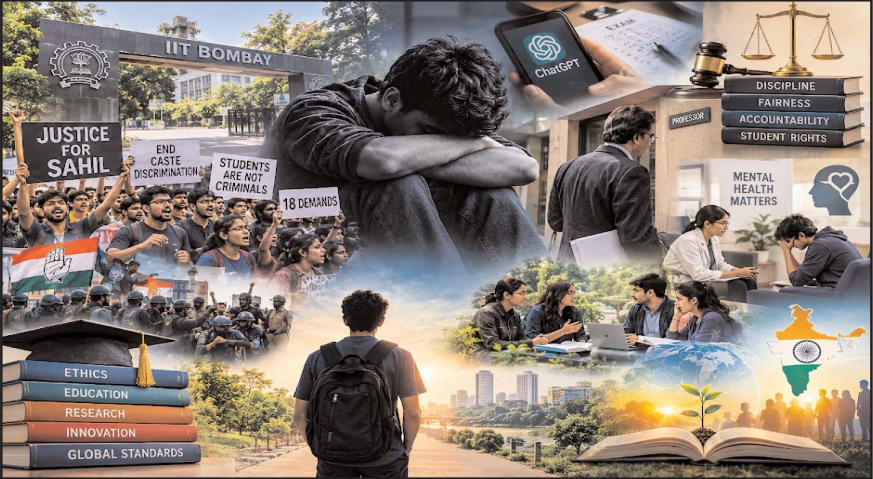
सम्पादकीय

खानपान पर राजनीति

आज के दौर में राजनीतिक प्रोगेंडा से समाज के नजरिए को प्रभावित करने के बहुत से उद्घरण हमारे सामने हैं। खानपान की आदतें भी विमानकारी राजनैतिक प्रवृत्तियों के हथ में एक औजार बन गई हैं। यह तर्क दिया जाता है कि मुसलमान इसलिए अधिक हस्तिक होते हैं क्योंकि वे मांसाहारी होते हैं। पवित्र गाय और गौमांस के सेवन को भी इससे जोड़ दिया गया और नतीजे में हम भारत में लिपिचि की शुरूआत के साथी बने जिसके मुख्य शिकार मुसलमान होते हैं किंतु साथ ही बड़ी संख्या में दलितों को भी इसका सामना करना पड़ा है। हरउसिंग सोसायटियों में किसे रखने की इजाजत दी जाए और किसे नहीं, यह भी खानपान की आदतों के आधार पर तय होने लगा है। हरउसिंग सोसायटियां प्लेट बेचने की अनुमति देने के पहले खरीदार की खानपान की आदतों के बारे में पूछताछ करती हैं। यह मुद्दा अधिक जटिल स्वरूप में हाल में बंगाल में सामने आया जहां पूजा-पंडालों के आसपास मांसाहारी खाद्य सामग्री न रखने की सलाह दी गई। साथ ही, समाज का एक भाग यह मांग कर रहा है कि जैन धर्म के पर्यूपण पर्व के दौरान मांसाहारी खाद्य पदार्थों पर प्रतिबंध लगना चाहिए। धीरेन्ट कृष्ण शास्त्री (पूर्वावले बाबा, जिन्हें प्रधानमंत्री अपना छोटा भाई कहते हैं) की दुर्गापूजा में मांसाहार पर निषेध की सलाह की मिलीजुली प्रतिक्रिया हुई। कुछ ही दिनों में बंगाल का सबसे बड़ा उत्सव, दुर्गा पूजा प्रारंभ होने वाला है। भाजपा हाल ही में पश्चिम बंगाल में सत्ता पर कब्जा हुई है। बंगाल में भाजपा की राजनैतिक शक्ति में बढ़ोतरी के साथ-साथ वहां भगवान राम को बढ़ावा देने का सिलसिला शुरू हो गया है। भाजपा और उसके समर्थकों द्वारा भगवान राम पर केन्द्रित उत्सवों को बढ़ावा दिया जा रहा है। राम का सप्तरा लेने से भाजपा को उत्तर भारत में जबर्दस्त चुनौती लाभ हुआ, जिसका प्रभाव पूरे देश के चुनौती परिदृश्य पर पड़ा। भाजपा ने बंगाल में सत्ता संभालने के बाद बागेश्वर धाम के वीरेन्द्र शास्त्री को बंगाल आने का ज्योतिर दिया। वे कदापि के लिएआम में हनुमान कथा सुनाने के लिए आए थे। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि पूजा के दौरान मांसाहारी खाद्य पदार्थों को दुर्गा प्रतिमा से दूर रखा जाए। ऐसा ही परामर्श आरएसएस की सहयोगी संस्था खीपूषी द्वारा कुछ दिन पहले दिया जा चुका था। इससे बंगाली हिन्दू नाराज हो गए। इनमें वे हिन्दू भी शामिल थे जो स्वयं को हिन्दू राष्ट्रवादीए कहते हैं। कई प्रमुख बंगालियों ने अपना विरोध प्रदर्शित किया और वक्तव्य जारी कर कहा कि शास्त्री को इन्हें यह सिखाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए कि हनुदुर्गापूजा कैवैत मनाएं और वद्या खाएं और वद्या न खाएं। इस प्रतिक्रिया की वजह यह तथ्य है कि मछली और बकरे के मांस से बनने वाले व्यंजन दुर्गा उत्सव का लगभग अनिवार्य हिस्सा हैं। कोई लोगों ने इस और ध्यान दिलाया कि मछली का बंगाली संस्कृ ति में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है और मांसाहारी खाद्य पदार्थ हिंदू धर्म के कई धार्मिक संस्कारों का हिस्सा हैं। त्रिपुरा के राजपाल ताम्रगज देशों से लेकर कई प्रकाश्यों, कंटे फ़िरेटरी, समाज के विभिन्न वर्गों के व्यक्तियों, जिनमें स्वयं को बंगाली हिन्दू राष्ट्रवादी कहने वाले भी शामिल हैं, ने इसके प्रति विरोध प्रदर्शित किया। श्वेतामलियों को यह न बताया जाए कि वे दुर्गा पूजा कैसे मनाएं कोलकाता की कंटेर फ़िरेटर श्वेसी विश्वास बैनर्जी ने फेसबुक पर लिखा।

-ललित गर्ग-

आईआईटी बॉम्बे के द्वितीय वर्ष के बोटेट छात्र साहिल वाकोडे की 18 सितंबर 2026 को हुई मृत्यु ने देश के उच्च शिक्षण संस्थानों की कार्यप्रणाली, विद्यार्थियों पर बढ़ते शैक्षणिक दबाव, परीक्षा में बढ़ती अनैतिकता, शिक्षकों की जवाबदेही, मानसिक स्वास्थ्य और परिसरों में राजनीतिक हस्तक्षेप जैसे अनेक गंभीर प्रश्न एक साथ खड़े कर दिए हैं। इस घटना को फिनहाल आत्महत्या के रूप में रिपोर्ट किया गया है, इसके पीछे की परिस्थितियों और किसी व्यक्ति की आपराधिक जिम्मेदारी का निर्धारण जांच का विषय है। मुंबई पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की है और जांच आगे बढ़ाई जा रही है। इसलिए किसी व्यक्ति को घटना के लिए दोषी ठहराना जांच पूरी होने से पहले उचित नहीं होगा। घटना से पहले परीक्षा के दौरान साहिल के मोबाइल और कथित रूप से एआई चैटजीपीटी के इस्तेमाल को लेकर संस्थागत कार्रवाई की स्थिति बनी थी। इसके बाद छात्रों में यह धारणा पैदा हुई कि मामले को सिस तरीके से संभाला गया, उसमें पर्याप्त संवेदनशीलता नहीं थी। संस्थान ने बाद में अपने पूर्व सार्वजनिक बयान के लिए माफी मांगते हुए स्वीकार किया कि जांच पूरी होने से पहले घटना से जुड़े विवरण सार्वजनिक करना उचित नहीं था। संबंधित प्रोफेसर को डीन के प्रशासनिक पद से हटाया गया है, जबकि उनके विरुद्ध दर्ज मामलों में अंतर्गत निष्कर्ष अभी जांच और न्यायिक प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। इस घटना के बाद तीन दिनों तक छात्रों 1 विरोध प्रदर्शन हुआ और 18 सूत्रीय मांगपर सामने आया। इन मांगों में स्वतंत्र जांच, शिक्षकों के विरुद्ध शिकायतों की स्पष्ट प्रक्रिया, छात्र-प्रतिनिधित्व,



बेहतर काउंसलिंग, चौबीसों घंटे मनोचिकित्सकीय सहायता, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण और एशिया में अनियमितता के मामलों को संभालने के लिए अधिक मानवीय प्रक्रिया जैसी बातें शामिल हैं। आईआईटी बॉम्बे के निदेशक ने छात्रों के साथ बातचीत के बाद इस चार्टर पर हस्ताक्षर किए, हालांकि संस्थान की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि आगे की कार्रवाई निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार होगी। यहीं से इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। क्या शिक्षा संस्थान में अनुशासन और मानवीय संवेदना एक-दूसरे के विरोधी हैं? निश्चित रूप से नहीं। परीक्षा में नकल, मोबाइल का अनुचित इस्तेमाल अथवा एआई के माध्यम से अनुचित सहायता लेना शिक्षा की विश्वसनीयता के लिए गंभीर चुनौती है। यदि उच्च शिक्षण संस्थान ऐसी अनैतिकताओं को रोकने में असमर्थ होते हैं तो डिग्री, शोध और प्रतिका की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। लेकिन

दूसरी ओर अनुशासनात्मक कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए जिसमें आरोप की निष्पक्ष जांच, छात्र को अपनी बात रखने का अवसर, अपील की व्यवस्था और मानसिक स्थिति को समझने की संवेदनशीलता शामिल हो। अपराध या अकादमिक कदाचार को नजरअंदाज करना भी गलत है और किसी छात्र को बिना समुचित प्रक्रिया के सामाजिक रूप से दोषी ठहरा देना भी। आज एआई ने शिक्षा के सामने एक बिल्कुल नई चुनौती खड़ी कर दी है। चैटजीपीटी जैसे उपकरण ज्ञान प्राप्त करने, सीख करने और सीखने में उपयोग हो सकते हैं, लेकिन परीक्षा में अनुचित तरीके से इनका इस्तेमाल शैक्षणिक ईमानदारी का प्रश्न बन जाता है। इसलिए उनके विरुद्ध दर्ज मामलों में अंतर्गत निष्कर्ष अभी जांच और न्यायिक प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। इस घटना के बाद तीन दिनों तक छात्रों 1 विरोध प्रदर्शन हुआ और 18 सूत्रीय मांगपर सामने आया। इन मांगों में स्वतंत्र जांच, शिक्षकों के विरुद्ध शिकायतों की स्पष्ट प्रक्रिया, छात्र-प्रतिनिधित्व,

मार्गदर्शक की भूमिका निभानी होगी। साहिल प्रकरण ने जातिगत भेदभाव के आरोपों को भी चर्चा के केंद्र में ला दिया है। परिवार की चर्चाओं के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है, जबकि संस्थान की ओर से यह कहा गया कि छात्र ने पहले एससी/एसटी सेल या प्रशासन के समक्ष ऐसी शिकायत नहीं की थी। इन दोनों पक्षों में से सत्य क्या है, इसका निर्णय जांच के बाद ही हो सकता है। लेकिन इससे एक व्यापक तथ्य सामने आता है-किसी भी विद्यार्थी को अपनी जिंती, आर्थिक स्थिति, भाषा, क्षेत्र या सामाजिक पृष्ठभूमि के कारण स्वयं को अकेला या असुरक्षित महसूस नहीं होना चाहिए। भारत में उच्च शिक्षा को लेकर नियामकीय ढांचा भी लगातार अधिक जवाबदेही और छात्र-केन्द्रित व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। यूजीसी की 2023 की छात्र शिक्षासत निवारण संबंधी नियमावली के साथ-साथ 2026 में प्रशासन आफ इंडिक्टी इन हायर एजुकेशनन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन भी सूचीबद्ध हैं। इसका मूल

उद्देश्य यही होना चाहिए कि विद्यार्थी के अधिकार सुरक्षित रहें, शिकायतों का स्वतंत्र और समयबद्ध निवारण हो तथा संस्थान अपनी जिम्मेदारी से बच न सकें। लेकिन यहां एक सावधानी भी आवश्यक है। कानून का अर्थ यह नहीं हो सकता कि हर दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद बिना जांच किसी शिक्षक या अधिकारी को अपराधी घोषित कर दिया जाए। शिक्षक निश्चित रूप से कानून से ऊपर नहीं हैं, लेकिन वे कानून की प्रक्रिया से नोचे भी नहीं हैं। यदि किसी शिक्षक ने भेदभाव, उत्पीड़न, धमकी या अन्य गैरकानूनी आचरण किया है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन यदि उसने संस्थागत नियमों के तहत, अकादमिक कदाचार को कार्रवाई के तहत, तो उस कार्रवाई की वैधानिकता और अनुपातिकता की जांच भी जरूरी हो सकती है। यही न्यायपूर्ण व्यवस्था का आधार है। सबसे चिंताजनक पहलू तब सामने आता है जब किसी दुखद घटना के बाद विश्वविद्यालय का परिसर राजनीतिक संघर्ष का केंद्र बनने लगता है। राजनीतिक दलों और बाहरी संगठनों को छात्रों की आवाज उठाने का लोकातंत्रिक अधिकार है, लेकिन शिक्षा परिसर की मूल प्रकृति बची रहनी चाहिए। यदि हर प्रशासनिक निर्णय राजनीतिक नारों, धरनों और दबाव की राजनीति से तय होने लगे तो विश्वविद्यालय में अकादमिक स्वायत्तता प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर यदि प्रशासन छात्रों की आवाज को केवल आंदोलन या राजनीति कहकर खोजा कर दे तो संस्थागत विश्वास और कमजोर होगा। रस्ता दोनों के बीच है-संवर्ध, पारदर्शिता और स्वतंत्र जांच। आईआईटी जैसे संस्थानों से देश केवल इंजीनियर, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक भी तैयार करने की

अपेक्षा करता है। इसलिए सफलता का पैमाना केवल लेसमेंट्स, रैंकिंग, पेटेंट और वैश्विक प्रतिष्ठान ही हो सकता। यह भी देखना होगा कि वहां विद्यार्थी अपने प्रश्न कितनी सहजता से उठा सकता है, शिक्षक से असहमति कितनी सुरक्षित है, शिकायत का समाधान कितनी जल्दी होता है और संकट की घड़ी में संस्थान छात्र के साथ किस तरह खड़ा होता है। साहिल की मृत्यु को किसी एक प्रोफेसर, किसी एक प्रशासनिक निर्णय या किसी एक राजनीतिक संघर्ष तक सीमित कर देना इस त्रासदी के व्यापक संदेश को छोटा कर देगा। असली प्रश्न यह है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था प्रतिभा के साथ संवेदना, अनुशासन के साथ संवाद और अधिकार के साथ जवाबदेही का संतुलन कैसे बनाए? छात्रों को ईमानदार होना सिखना होगा, शिक्षकों को संवेदनशील होना होगा, संस्थानों को पारदर्शी होना होगा और संस्कार तथा नियामक संस्थाओं को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें कानून सुरक्षा का माध्यम बने, भय का नहीं। भारत को यदि अपनी उच्च शिक्षा को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित बनाना है तो केवल विश्व रैंकिंग में ऊपर जाना पर्याप्त नहीं होगा। हमारे विश्वविद्यालयों को ऐसा वातावरण बनाना होगा जहां अकादमिक ईमानदारी से कोई समझौता न हो, लेकिन यकीनी करने वाले विद्यार्थी के लिए सुधार का रास्ता भी बंद न हो। जहां शिक्षक की गरिमा सुरक्षित हो, लेकिन शिक्षक की शक्ति निरंकुश न हो। जहां छात्र की आवाज सुनी जाए, लेकिन हर निर्णय सफ़र के दबाव से न करे। आईआईटी जैसी शिक्षण संस्थाएं ज्ञान, संवाद और चरित्र निर्माण के केंद्र हैं-उन्हें राजनीतिक अखाड़ा बनने से बचना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी उन्हें जवाबदेही से मुक्त रखना भी नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र संघ पर प्रार्संगिकता पर उठते सवाल

अमेरिका-ईरान युद्ध ले, रूस-यूक्रेन युद्ध या इसी तरह दुनिया के देशों के सामने आ रही गंभीर समस्याओं के चलते संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रसंगिकता पर सवाल उठने लगे हैं। अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते आज दुनिया के देश ईरान की समस्या से दो-चार हो रहे हैं। शक्तिशाली देशों के दावागिरी चरम पर पहुंचती जा रही है। आज हार्बुज का रास्ता बंद है तो अन्य वैश्विक रास्ते पर भी अवरोध आ रहे हैं। दुनिया के अन्य देशों की समस्याओं के प्रति कोई गंभीर नहीं है। पेट्रोल पदार्थों और एलपीजी की आवाजाही प्रभावित होने से ईरान के मार्गों में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही है। उर्जा संकट हो रहा है। आवागमन के साधनों का प्रमुख माध्यम पेट्रोल-डीजल आदि है और उनकी उपलब्धता पर पड़ रहे असर के कारण सभी देशों में सीधे आमजन प्रभावित हो रहे हैं। आखिर ऐसे समय में ही संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। पर जो तस्वीर सामने आ रही है, वह साफ है कि युद्ध करने वाले देशों पर दबाव डालने की स्थिति में ना तो कोई वैश्विक संस्था रह गई है और ना ही संयुक्त राष्ट्रवादी वैश्विक नेता। अखिर यह कोई एक दिन का परामत तो नहीं हैं बल्कि देखा जाए तो संयुक्त राष्ट्र को तो योजनाबद्ध तरीके से शक्तिहीन किया गया है। अमेरिका जैसे देशों द्वारा बिना वजह फ़ोर्डिज बाधित या कम की जाती है तो वीटो पॉवर स्वयं में नकारात्मक भूमिका में है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में नए सदस्यों के प्रवेश को टाला जा रहा है तो इसे पंगु बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ी जा रही है। इसमें दो राय नहीं कि कोविड के दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ ने सकारात्मक भूमिका निभाई। देशों के बीच परस्पर सहयोग व समन्वय का परिणाम यह रहा कि दुनिया के देश कोविड वैश्विक संकट से मुक्तबल करने में सफल रहे हैं। इस विफलता के कारणों का अलग से विश्लेषण किया जा सकता है। पर एक बात साफ है कि आज संयुक्त राष्ट्र संघ पर समग्र रूप से देखा जाए तो भरोसा 57 प्रतिशत ही रह गया है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रति नकारात्मक विचार रखने वालों का प्रतिशत 37 प्रतिशत ही है। भरोसे के यह आंकड़े अगस्त 26 के हैं और यह प्यू रिसर्च की बलिया रियपोर्ट में सामने आये हैं। दुनिया के देशों में संयुक्त राष्ट्र संघ पर सबसे कम भरोसा करने वाला देश इजराइल है। इजरायल के अधिकांश देशों पर किसी ना किसी रूप में पहुंच रही है। आज वर्ल्ड सिद्ध करने या दावागिरी ही एकाग्र घ्येर रह गया है। पर रूस और अमेरिका अभी भी यह नहीं समझ पा रहे कि युद्धारंभ से पहले चंद घंटों या चंद दिनों का युद्ध समझ कर जोश में आ गए थे आज स्थिति उनके लिए ना निगलते बर रही है और ना उगलते बर रही है। इन युद्धों ने यह भी सिद्ध कर दिया है कि सामने वाला देश कितना भी छोटा क्यों ना हो पर युद्ध को लंबा खीपने की धमता उसमें है।

नशीले पदार्थों को ‘ना’ और जिंदगी को ‘हां’ कहें

श्री सुधांशु पंत

यह एक दृश्य अवसर दोहराया जाता है - लगभग हर कॉलेज के छात्रवासों में, हर कार्यालय की पार्टियों में और साथ जवान हो रहे दोस्तों के हर समूह में। कुछ नशीले पदार्थ एक-दूसरे तक पहुंचा जाते हैं। इस क्रम में एक बाकापसी सहजता के साथ, लेकिन जोर देकर कही जाती है कि बाकी सब भी तो ऐसा ही कर रहे हैं। ऐसे में, मना करना कुछ ऐसा लगता है मानो आप समूहों के बाकी साथियों से अलग-थलग हो रहे हों। इसके बाद एक पल की चुप्पी छाती है। और फिर एक युवा अपने साथियों के समूह को ‘ना’ कहने से पीदा होने वाली शर्मिंदगी और अलग-थलगपट्ट पड़ जाने की बेदुनी के बीच जल्दी से फैसला ले लेता है। यही एक निर्णायक पल होता है, क्योंकि लत हमेशा सोच-समझकर लिए गए फैसले से नहीं लगती। अवसर इसकी शुरुआत पीछे छूट जाने के डर से होती है। नशीले पदार्थों को ना, जिंजीकों को बं यही वह मौन लेकिन अहम पल है, जिसको ध्यान में रखकर ‘नशा मुक्त भारत अभियान’ (एनाएमएन) का शुरुआत की गई थी। इस अभियान का व्यापक उद्देश्य नशीले पदार्थों की लत के बारे में जागरूकता फैलाना रहा है। लेकिन इसकी असली चुनौती सामाजिक रही है- हमें जो मुक्त करने का फैसला लेने को आसान बनाना, उस फैसले

की अनिव्यक्ति को सहन बनाना और कुल मिलाकर, इस पूरी कवायद को एक सामान्य बात के तौर पर देखना आसान बनाना। जब नानाजीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2020 को एनाएमएन की शुरुआत की, तो इस अभियान ने एक कबी अधिक कठिन चुनौती से जुझना तय किया। यह कठिन चुनौती थी - किसी कमजोर पल में, एक अकेले व्यक्ति द्वारा अपने साथियों के समूह के सामने ‘नहीं’ कहने की हिममत लाने की। इस दृष्टि से, इस अभियान का सबसे असरदार शब्द शायद सबसे आसान शब्द है, ‘ना!’ यह कोई नाटकीय ‘ना!’ नहीं है। यह कोई नैतिक उपदेश नहीं है। बस जब आपके आस-पास के सभी लोग जब ‘न’ कह रहे हों, तब बिना विचलित हुए मना करने का आत्मविश्वास है। नानाजीय प्रधानमंत्री ने कहा है, फ़्रविकसित भारत संकल्प अभियान के तहत ‘नशा मुक्त युवा’ नगों हैं इस संकल्प को पूरी तरह स्पष्ट करता है। अब जबकि भारत एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है, तो यह जरूरी है कि हमारे युवा शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ हों, आत्मविश्वास से भरे हों और हमेशा नशे की जगलतले लत से मुक्त रहें। यही इस अभियान का उद्देश्य है। ह्म सभी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि हमारे युवा नशे की लत के खतरों को समझें, समझकर रहें और

इससे दूर रहें। इस संकल्प को साकार करने में ‘राष्ट्रीय नशा मुक्त युवा अभियान’ अब एक अहम भूमिका निभा रहा है। छह वर्ष बाद, वह एक पल अब एक बहुत बड़े अभियान का हिस्सा बन गई है। यह अभियान संकल्प लेने और लोगों को जोड़ने की गतिविधियों के जरिए 13.71 करोड़ से अधिक युवाओं तक पहुंचा है। साथ ही विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में 31 लाख से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। शैक्षिक परिसरों में विद्यार्थियों का शैक्षिक रूप से संकल्प लेना अब एक आम बात हो गई है और गान समाएं भी अब इस मुद्दे पर नियमित रूप से चर्चा होती है। जहां पहले लोग अपने परिवार के किसी सदस्य की लत को निजी अर्थ की बात मानकर छिपाते थे, वही अब 10.65 करोड़ से अधिक महिलाओं, स्वयं-सहजता समूहों (एसएचजी) और सामुदायिक नेटवर्कों के जरिए, इस बारे में खुलकर और अपनी भाषा में अपने पड़ोसियों से बात करने लगी है। 19 सितंबर, 2026 तक, 1.70 लाख से अधिक ‘नशा मुक्ति मित्र’ (एनाएमएन) सामुदायिक स्तर पर रैपिडज बनकर उभरे हैं और 34.57 करोड़ से अधिक लोगों तक यह संदेश पहुंचाने में मदद कर रहे हैं। और, यह उम्मान सकारात्मक दिशा में तेजी से आगे की ओर बढ़ रहा है। यही है सामाजिक व्यवहार को बदलने हेतु एक नए अभियान की शुरुआत

हुई है। एनाएमबी ने एकतरफा जागरूकता से आगे बढ़कर लगातार कई ऐसे रास्ते बनाए हैं, जिनसे लोग इस मुहिम से जुड़ सकें, जानकारी हासिल कर सकें और इसके माध्यम को आगे बढ़ा सकें। एनाएमबी पोर्टल जानकारीयों, शैक्षिक संसाधनों, समीक्ष कार्यक्रमों और नागरिकों के लिए इस अभियान से जुड़ने के अवसरों को एक साथ लाता है हाल ही में, नानाजीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आगे मानसिक रेडियो कार्यक्रम ‘मन की बात’ की 137वीं कड़ी में इस बड़े मिशन को आगे बढ़ाते हुए ‘नशा-मुक्त युवा, नशा-मुक्त भारत’ के लक्ष्य को फिर से दोहराया। उनकी यह अपील इसलिए भी खास थी क्योंकि इसमें केवल संस्थानों एवं सरकारी एजेंसियों को ही नहीं, बल्कि युवा समीकारों, विद्यार्थियों और थिएटर समूहों को भी शामिल किया गया। ऐसा यह मानते हुए किया गया कि संदेश सबसे अधिक कारगर होगा यदि यह नशीले पदार्थों के खतरों के बारे में ज्ञान के साथ ही नशीले पदार्थों की दीवार ही नहीं, बल्कि अपानापन महसूस करने वाला एक वैकल्पिक दायरा भी बन गया है। यह दायरा अब बड़ा लेकर हर शहर और केन्द्र-शासित प्रदेश के स्कूलों, कॉलेजों, पंचायती राज

संस्थाओं, आशा एवं आगनवाड़ी नेटवर्कों तथा हजारों सामुदायिक संगठनों तक जा पहुंचा है और हर जगह लोग अपने-अपने शब्दों में यही संकल्प ले रहे हैं। इतने बड़े पैमाने का आंदोलन बहुत देर तक सिर्फ अकेले तक ही सीमित नहीं रहना। यह चरों कथाओं और समुदायों में बातचीत का हिस्सा बनने लगता है, जिससे नशीले पदार्थों के सेवन का मुद्दा खुलकर सामने आता है और इसकी रोकथाम महज संकट के समय की चर्चा न रहकर एक सामूहिक जिम्मेदारी बन जाती है। लेकिन ऐसी जागरूकता तो बस एक शुरुआत है। जो लोग अपने या अपने किसी करीबी के लिए मदद चाहते हैं, उनके मन में अलग-अलग तरह आता है कि वे आखिर जानें कहां? एनाएमबी ने इस कदम को भी आसान बनाने का प्रयास किया है। राष्ट्रीय नशा-मुक्ति हेल्पलाइन, 14446, जानकारी, मार्गदर्शन और उपयुक्त नशा-मुक्ति संबंधी सेवाओं के लिए संपर्क का जरिया प्रदान करती है। यह चिंता के पल को स्वस्थ होने की दिशा में उठाए जा सकने वाले पहले कदम में बदलने में मदद करती है। एक चरित के जोर देने और अपनी सही समझ के बीच फैसला करते समय कभी हिचकिचाएट भरे पल का अनुभव करने वाले एक व्यक्ति के लिए एनाएमबी की यात्रा यह भरोसा दिलाती है कि वे अकेले नहीं हैं।

वीजा कैंसिल होने से टली रवीना-राशा की कैलाश यात्रा, ए ट्रेस बोलीं-महादेव ने बचा लिया

अभिनेत्री ने बताया कि वीजा कैंसिल होने पर उन्हें काफी दुख हुआ था लेकिन उन्हें समझ में आया कि अचानक कैंसिल होने के पीछे कोई वजह जरूर होगी। अभिनेत्री रवीना टंडन ने कहा, 'मैंने इतना बोला कि महादेव का कुछ तो कारण होगा, हमें नहीं जाना है इसके पीछे कोई वजह तो होगी। जब वो बुलाएंगे तब अपने आप हम चले जाएंगे।' रवीना टंडन ने बताया कि प्लान कैंसिल होने के बाद बेटी राशा ने उन्हें नेपाल के हिमालयी क्षेत्र में आई भयानक आपदा के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'हम बहुत निराश थे कि यात्रा कैंसिल हो गई और दो दिन बाद हमें पता चला कि ग्लेशियर टूट गया। यह मानव निर्मित आपदा थी।

थोड़ी घबराहत और बहुत खुशी है

पहली बार होस्ट के तौर पर नजर आएंगे पंकज त्रिपाठी



अभिनेता पंकज त्रिपाठी आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 में पहली बार होस्ट के तौर पर नजर आने वाले हैं। अभिनेता ने इसे एक्टिंग से 'बिल्कुल अलग' अनुभव बताया। अभिनेता ने बताया कि उन्होंने अपने पूरे करियर में दूसरे के किरदार को निभाया और आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 में होस्ट करना रोमांचक और सम्मान देने वाला है। उन्होंने कहा, 'एक एक्टर के लिए कुछ पल ऐसे होते हैं जो थोड़ी ज्यादा घबराहत और बहुत सारी खुशी लेकर आते हैं और पहली बार आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स को होस्ट करना उन्हीं में से एक है। मैंने अपने सफर का ज्यादातर समय कैमरे के सामने किरदारों के जरिए कहानियां सुनाते हुए बिताया है, इसलिए आईआईएफए के मंच पर बिल्कुल अलग भूमिका में आना मेरे लिए रोमांचक और सम्मान की बात दोनों है।' उन्होंने आगे कहा, 'ऐसा पहली बार होगा जब मैं किसी अवॉर्ड शो को होस्ट करूंगा, जो इस पल को मेरे लिए और भी खास बनाता है। डिजिटल दुनिया ने कहानियां बनाने, खोजे जाने और पसंद किए जाने के तरीके को बदल दिया है और आईएफएफए का इस नई पीढ़ी को पहचान देना बहुत मायने रखता है। इतने सारे प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रिएटर्स के साथ इस जश्न का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है।' अभिनेता पंकज त्रिपाठी का मानना है कि आईआईएफए ने हमेशा ही सिनेमा को दुनिया के सामने दिखाया है। उन्होंने कहा, 'आईआईएफए हमेशा से भारतीय सिनेमा को दुनिया भर के दर्शकों तक लेकर गया है और मैं भी जोश, गर्मजोशी और थोड़े से ह्यूमर के साथ आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 के मंच पर आने के लिए उत्सुक हूँ। मैं स्टेज के दूसरी तरफ से आईआईएफए के जादू को महसूस करने का इंतजार नहीं कर सकता और उम्मीद करता हूँ कि मैं इसके साथ न्याय कर पाऊंगा।' इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवॉर्ड्स (आईआईएफए) के अपकमिंग एंड्रशान में डिजिटल और मेन अवॉर्ड सेरेमनी के लिए होस्ट के दो जोड़े होंगे। पंकज त्रिपाठी और अली फजल आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 को होस्ट करेंगे, जबकि करण जोहर और वरुण धवन आईआईएफए अवॉर्ड्स 2027 को होस्ट करेंगे।

अभिनेत्री रवीना टंडन और उनकी बेटी राशा थड़ानी महादेव की अनन्य उपासक हैं और अवसर ज्योतिर्लिंग या महाकाल दर्शन के लिए जाती रहती हैं। अभिनेत्री रवीना टंडन ने हाल ही में बताया कि वह और उनकी बेटी राशा थड़ानी कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाने वाली थीं लेकिन यात्रा से कुछ समय पहले ही उन्हें अपना प्लान कैंसिल करना पड़ा था। अभिनेत्री ने यह किस्सा 'इंडियाज बेस्ट डॉसर्स सीजन 5' के सेमी-फинаले एपिसोड के दौरान बताया। शो के दौरान अभिनेत्री कहती हैं कि वह अब ईश्वर द्वारा निर्धारित समय पर विश्वास करने लगती हैं, भले ही चीजें प्लान के मुताबिक हो या न हों। रवीना टंडन ने याद करते हुए बताया कि 2022 में अपने पिता के निधन के बाद उन्होंने 12 ज्योतिर्लिंगों की यात्रा पूरी की थी। इसके बाद उन्होंने और बेटी राशा थड़ानी ने साथ में कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर जाने का प्लान बनाया था लेकिन उनका प्लान उस वक्त बिगड़ गया, जब यात्रा से ठीक पहले उनका वीजा कैंसिल हो गया था। अभिनेत्री ने बताया कि वीजा कैंसिल होने पर उन्हें काफी दुख हुआ था लेकिन उन्हें समझ में आया कि अचानक कैंसिल होने के पीछे कोई वजह जरूर होगी। अभिनेत्री रवीना टंडन ने कहा, 'मैंने इतना बोला कि महादेव का कुछ तो कारण होगा, हमें नहीं जाना है इसके पीछे कोई वजह तो होगी। जब वो बुलाएंगे तब अपने आप हम चले जाएंगे।' रवीना टंडन ने बताया कि प्लान कैंसिल होने के बाद बेटी राशा ने उन्हें नेपाल के हिमालयी क्षेत्र में आई भयानक आपदा



के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'हम बहुत निराश थे कि यात्रा कैंसिल हो गई और दो दिन बाद हमें पता चला कि ग्लेशियर टूट गया। यह मानव निर्मित आपदा थी।' उन्होंने कहा कि इस अनुभव ने उनके इस विश्वास को और मजबूत कर दिया कि कभी-कभी एक अनचाहा

झटका भी

आपकी सुरक्षा बन जाता है।

उन्होंने कहा, 'हर स्थिति से आपको बचाने का यह भगवान का तरीका है।' बता दें कि 26 अगस्त को नेपाल के लांगटांग इलाके में भयानक बाढ़ आई थी और नेपाल-तिब्बत बॉर्डर इलाके में बहुत ज्यादा तबाही हुई थी।

कैटरीना की ट्रेलिंग पर भड़कीं परिणीति चोपड़ा, बोलीं-मां बनने के बाद शरीर में आए बदलाव खूबसूरत, इस पर टिप्पणी क्यों?

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने महिलाओं, खासकर पोस्टपार्टम महिलाओं की बॉडी-शेपिंग करने वाले ट्रेलर्स को करारा जवाब दिया। अभिनेत्री ने पोस्टपार्टम (प्रसव के बाद की अवधि) के दौरान महिलाओं के शरीर के बारे में होने वाली चर्चा को 'अजीब' बताया और सवाल किया कि उन्हें इसका सामना क्यों करना पड़ता है। अभिनेत्री ने बातचीत में कहा, 'मैं इस पर ध्यान नहीं देती क्योंकि मैं इसे देखती ही नहीं हूँ। सच कहूँ तो मुझे इसके बारे में पता भी नहीं चलता, क्योंकि मैं सोशल मीडिया पर ज्यादा समय



बिताती ही नहीं हूँ और अगर कभी पता चल भी जाए तो इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं अपनी लाइफ को लेकर बहुत सच्ची हूँ, मैं अपने समय, परिवार, दोस्तों और अपनी खुद की जिंदगी को लेकर सच्ची हूँ।' अभिनेत्री ने बताया कि वे सोशल मीडिया ट्रेलर्स से परेशान नहीं होती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं उन अनजान लोगों की बातों से परेशान नहीं होने वाली जो मेरे बारे में बात करते हैं। इसका मुझसे कोई लेना-देना नहीं है और मेरे पास इसके लिए समय भी नहीं है।' पोस्टपार्टम में वजन बढ़ने को लेकर कैटरीना कैफ की ट्रेलिंग पर परिणीति ने कहा कि इस तरह की बातें उन्हें अनपढ़ाई वाली लगती हैं। उन्होंने आश्चर्य जताते हुए कहा, '2026 में भी महिलाओं को बॉडी शेप किया जाता है तो मुझे ये बहुत ही अनपढ़ता वाली और अजीब बात लगती है कि खासकर उन महिलाओं के बारे में बात की जाती है जो अभी मां बनी हैं।' समझ नहीं पाती कि ऐसा क्यों होता है।' अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे सच में समझ नहीं आता कि अगर एक महिला ने बच्चे को जन्म दिया है तो उसके शरीर पर जो निशान हैं, उसमें निगेटिव क्या है। ये तो खूबसूरत निशान हैं। जैसे आप मालदीव जाते हैं और आपकी स्किन टैन हो जाती है।

ओटीटी पर डेब्यू से पहले परिणीति को मिला परिवार का साथ

प्रियंका और राघव ने लुटाया प्यार

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा अपनी आगामी वेब सीरीज 'शक: ट्रस्ट नो वन' से ओटीटी पर डेब्यू करने जा रही हैं। सोमवार को अभिनेत्री के सपोर्ट में उनकी बड़ी बहन-ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा और पति राघव चड्ढा आए। दोनों ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए न सिर्फ अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा को नई सीरीज के लिए बधाई दी बल्कि, सीरीज के लिए उत्सुकता भी जाहिर की। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के पति-राजनेता राघव चड्ढा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसके जरिए उन्होंने शूटिंग के दौरान की कुछ दिलचस्प बातें भी बताईं। राजनेता राघव चड्ढा ने लिखा, 'तुम पर बहुत गर्व



है, परिणीति चोपड़ा।

मुझे पता है, तुमने वेब सीरीज 'शक: ट्रस्ट नो वन' के लिए कितनी मेहनत की है, खासकर तब जब हमारे लिए ये समय पहले से ही बहुत खास था।' राघव चड्ढा ने सीरीज की पूरी टीम की सराहना करते हुए बताया कि शूटिंग में उन्होंने पर्दे के पीछे की टीम का टैलेंट देखने को मिला।

उन्होंने लिखा, 'शिमला में शूट के दौरान कुछ वक्त बिताने के बाद, मैंने इसके पीछे की टीम की गर्मजोशी और टैलेंट को भी देखा। बहुत ही टैलेंटेड लोग हैं, और साफ दिख रहा था कि तुम्हें उनके साथ काम करने में बहुत मजा आया।'

राघव चड्ढा ने पोस्ट के आखिरी में न सिर्फ पूरी टीम को बधाई बल्कि, सीरीज के रिलीज के अपनी उत्सुकता भी जाहिर की। उन्होंने लिखा, 'तुम्हें और 'शक: ट्रस्ट नो वन' की पूरी टीम को ढेर सारी शुभकामनाएं।

जब सलमा हायेक ने अपने पति को यकीन दिलाया कि उनका अफेयर चल रहा

क्या आप जानते हैं कि हॉलीवुड अभिनेत्री सलमा हायेक ने एक बार सिर्फ एक पिल्ला पालने के लिए अपने बिजनेसमैन पति फ्रांस्वा-हेनरी पिनाल्ट को यह भरोसा दिला दिया था कि उनका किसी और से अफेयर चल रहा है उस समय उनके घर पर पहले से ही लगभग 30 जानवर थे, जिनमें कुत्ते, तोते, अल्युका, घोड़े और बिल्लियां शामिल थीं। 'फ्रीड' एक्टेस ने अपने पति से वादा किया था कि वह घर पर और कोई जानवर नहीं लाएंगी। लेकिन, जब वह बुल्गारिया में शूटिंग कर रही थीं, तो उन्हें रास्ते में एक छोटा सा बेसहारा पिल्ला मिला और सलमा का दिल उसे वहीं छोड़ने को नहीं माना।

हालांकि, उन्होंने अपने पति को मनाने का एक चालाक तरीका निकाला। उन्होंने तय किया कि वह उन्हें यकीन दिलाएंगी कि उनका अफेयर चल रहा है और जब उन्हें सबसे बुरा शक हो जाएगा, तब वह उन्हें सच बता देंगी। द टुनाइट शो स्टारिंग जिमी फैलन' में सलमा हायेक ने इस मजेदार घटना के बारे में अपने शब्दों में बताया, 'मेरे पति ने



मुझे चेतावनी दी थी कि 'और नहीं, अब और कुत्ते नहीं', इसलिए मैंने वादा किया था। मैंने सोचा, 'मैं उन्हें यकीन दिलाऊंगी कि मेरा अफेयर चल रहा है और आखिर में मैंने उन्हें बताया कि यह कोई अफेयर नहीं है।'

उन्होंने उन्हें फोन करके कहा, 'हमें बात करनी है', ऐसी बात वह कभी नहीं करतीं, जिससे उनके पति बहुत डर गए।

जब सलमा हायेक के पति ने उन्हें फोन किया, तो उन्होंने उनसे कहा, 'सुनिए, यह खबर बताते हुए मेरा दिल टूट रहा है, क्योंकि मुझे पता है कि मैं आपको निराश करने वाली हूँ।

इतनी हिम्मत जुटाना मेरे लिए बहुत मुश्किल था, लेकिन अब मैं और बर्दाश्त नहीं कर सकती। मुझे आपको बताना ही होगा और आपको बस यह समझना होगा कि मैं यहां कितना ज्यादा काम कर रही हूँ। मैं बहुत थक गई हूँ, बहुत परेशान हूँ और इस आपाधापी भरे माहौल में बहुत अकेलापन महसूस कर रही हूँ।'

'चुंबक' की चर्चा के बीच संदीपा धर आईएमडीबी की टॉप 10 मोस्ट पॉपुलर इंडियन सेलिब्रिटीज लिस्ट में शामिल



अभिनेत्री संदीपा धर ने आईएमडीबी की टॉप 10 मोस्ट पॉपुलर इंडियन सेलिब्रिटीज लिस्ट में जगह बनाई है। वह इस सूची में नौवें स्थान पर हैं, जो उनके लिए एक और बड़ी उपलब्धि है। इस खास मौके को संदीपा ने अपने मजेदार अंदाज में सेलिब्रेट किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर आईएमडीबी की इस उपलब्धि को शेयर करते हुए लिखा है, 'चुंबक अपना जादू चला रहा है।' यह रैंकिंग ऐसे समय में आई है, जब संदीपा का नया प्रोजेक्ट 'चुंबक' दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। फिलहाल इस प्रोजेक्ट में उनके काम को काफी सराहा जा रहा है, जिससे उन्हें और ज्यादा पहचान मिल रही है। वर्कफ्रंट की बात करें तो संदीपा लगातार अलग-अलग तरह के किरदारों और प्रोजेक्ट्स के साथ प्रयोग कर रही हैं। फिलहाल 'चुंबक' को मिल रहे शानदार रिसर्प्स के बीच आईएमडीबी की टॉप 10 लिस्ट में उनकी एंट्री उनके काम को मिल रहे बढ़ते प्यार और इंडस्ट्री में उनकी मजबूत मौजूदगी को दर्शा रही है।

बेटियों ने रचा इतिहास

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को 147 रनों से हराकर एशियाई खेलों में पहला स्वर्ण जीता

नागोयान,एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों के फाइनल मुकाबले में श्रीलंकाई टीम को 147 रनों से हराकर अपना खिताब बरकरार रखने के साथ ही देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम का एशियाई खेलों में ये लगातार दूसरा स्वर्ण पदक है। पिछली बार भी भारतीय महिला टीम ने इन खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इस बार 147 रनों से जीत के साथ ही नया रिकार्ड भी अपने नाम किया है। ये टी20 अंतरराष्ट्रीय में रनों के हिसाब से यह उसकी अब तक की सबसे बड़ी जीत है। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए स्मृति मंधाना के अर्धशतक 79 रन और शेफाली वर्मा के 48 रनों व ऋचा घोष के 49 रनों की सहायता से 20 ओवरों में 3 विकेट पर 216 रन बनाये। भारतीय टीम ने पावरप्ले का पूरा फायदा उठाते हुए शुभआ में ही बिना किसी नुकसान के छह ओवर में 59 रन बना दिये। मंधाना और शेफाली के बीच 99 रन की साझेदारी हुई। वहीं श्रीलंकाई टीम को जीत के लिए 217

रनों का लक्ष्य मिला। इसका पीछा करते हुए लंकाई टीम केवल 69 रन ही बना पायी। श्रीलंका की ओर से केवल कप्तान चामरी अटपट्टू ही 29 रन व कविशा दिलहारी 11 रन बना पायी। वहीं अन्य खिलाड़ी एक के बाद एक आउट होती गयीं। भारत को ओर से दीप्ति शर्मा ने तीन जबकि शेफाली वर्मा, श्रेयंका पाटिल और श्री चरणी ने दो दो विकेट लिए। ये हार श्रीलंका महिला टीम की टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास की सबसे बड़ी हार है। इससे पहले श्रीलंका को 2019 में नॉर्थ सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 132 रनों से सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा था।

इस मुकाबले के साथ ही भारतीय महिला टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपनी लगातार 8वीं जीत हासिल कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। ये इस प्रारूप में भारतीय टीम की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। इससे भारतीय टीम ने साल 2018 में बनाए गए लगातार 7 जीत के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। गौरतलब है कि श्रीलंकाई टीम ने भारतीय टीम को अंतिम बार 2024 एशिया कप के फाइनल में हराया था, लेकिन उसके बाद से



भारतीय टीम ने श्रीलंका के खिलाफ लगातार आठों टी20 मुकाबलों में जीत दर्ज की है।आज के खेल का आकर्षण मंधाना की 45 गेंद में 79 रन जबकि ऋचा घोष की 22 गेंद में नाबाद 49 रनों की पारी रही। दूसरी ओर 5श्रीलंकाई गेंदबाजी आज विफल रही। ऐसे में भारतीय टीम एशियाई खेलों के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। . शेफाली और स्मृति

दोनों ने स्पिनरों की जमकर धुनाई की. स्मृति ने तीसरे ओवर में बाएं हाथ की स्पिनर सुगंधिका कुमारी की लगातार गेंदों पर दो छक्के लगाये। इसके बाद तेज गेंदबाज मिताली अयोध्या का ओवर और भी महंगा साबित हुआ। मंधाना ने इस मैच में कुल सात छक्के लगाए। वहीं शेफाली अर्धशतक के करीब आकर भी उसे पूरा नहीं कर पायीं।

भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम ने दूरे टी20 में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराया

यशबर्धन और विनीत का शानदार प्रदर्शन

सौराष्ट्र एजेंसी।यशबर्धन चौहान के शतक से भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे मैच को आसानी से जीत लिया। भारतीय टीम की ओर से यशबर्धन ने 103 रन जबकि वीके विनीत ने 87 रन बनाये। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन भी काफी अच्छा रहा और उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम को 238 रनों पर ही रोक दिया।

इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 341 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज आर्यवीर सहवाग ने 47 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें कप्तान लक्ष्य रायचंदानी 11 के साथ पहले विकेट के लिए 46 रन की साझेदारी और

फिर वीके विनीत के साथ दूसरे विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी की। आर्यवीर बदकिस्मती से रन आउट हो गए। वहीं पहले मैच में 18 गेंदों पर 38 रन बनाने वाले अन्वय द्रविड़ इस मुकाबले में केवल 9 रन ही बना पाये।



सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त मिली

इसके बाद यशबर्धन और विनीत ने तीसरे विकेट के लिए 132 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी कर पारी को संभाला। यशबर्धन ने केवल 100 गेंदों में 15 चौके और 2 छक्कों की मदद से 122 रन बनाए, जबकि विनीत ने 92 गेंदों पर छह छक्के और चार चौकों के

साथ 87 रन बनाये। अंतिम ओवरों में कुशाग्र ओझा ने भी 20 गेंदों में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 34 रन बनाए, जिससे भारतीय अंडर-19 टी 341 रन तक पहुंचने में सफल रही। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से थॉमस वासेओ ने 78 रन देकर तीन जबकि

पैट्रिक सुलिवन ने 55 रन दे कर दो विकेट लिए।

वहीं 342 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम शुरुआत से ही लड़खड़ा गई। भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर मेहमान टीम को उबरने का अवसर ही नहीं दिया। वापसी का मौका नहीं दिया।

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से कप्तान जैक चोस्नेक ने सबसे अधिक 81 रन (63 गेंद) बनाए, जबकि मैथ्यू लॉथ (42) और ब्लेक कैटल ने भी पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन यह पर्याप्त नहीं था। अंततः पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम 41.1 ओवर में 238 रन पर ऑल आउट हो गई। भारतीय गेंदबाजी में चिगुरुपति वेंकट सबसे सफल रहे, जिन्होंने 64 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि काव्या पटेल और यशबर्धन चौहान ने दो-दो विकेट हासिल किए। मोहित उक्ता, मनल चौहान और यशवीर गौड़ को भी एक-एक सफलता मिली।

भारत ने इससे पहले वर्षा बाधित पहले मैच को 20-20 ओवर का कर दिए जाने के बाद सात रन से जीता था। इस जीत से भारतीय टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है।

जापान के खिलाफ अभिषेक शर्मा हुए गोल्डन डक



सानो,एजेंसी। । जापान के सानो में भारत और जापान के बीच राजनीतिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित ऐतिहासिक टी-20 मैच का आगाज कुछ ऐसा रहा, जिसकी कल्पना शायद ही किसी क्रिकेट प्रशंसक या पंडित ने की होगी। इस विशेष मुकाबले से पहले, हर कोई यही सोच रहा था कि भारतीय टीम अपने अनुभव, प्रतिभा और टी-20 क्रिकेट के जबरदस्त इतिहास के दम पर जापान के अनुभवहीन गेंदबाजों पर हावी होगी। छोटे ग्राउंड का पूरा फायदा उठाते हुए भारतीय बल्लेबाज रनों का अंबार लगाएंगे और मैच एकतरफा साबित होगा। लेकिन, जब मैच शुरू हुआ तो मैदान पर नजारा बिलकुल उलट था, जिसने सभी को चौंका दिया। भारतीय पारी की पहली ही गेंद पर, युवा और विस्फोटक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा गोल्डन डक का शिकार होकर पवेलियन लौट गए। जापान के एक अपेक्षाकृत नौसिखिए गेंदबाज ने उन्हें बच्चे की तरह आउट कर भारतीय खेमे में शुरुआती क्षणों में ही सनसनी फैला दी। यह घटना मैच के पहले ही ओवर में हुई, जब हर भारतीय फैन एक ताबड़तोड़ शुरुआत की उम्मीद कर रहा था। बाएं हाथ के इस प्रतिभाशाली बल्लेबाज से भारतीय फैस को बड़ी पारी की उम्मीद थी, खासकर जब मैच बारिश से प्रभावित होने के कारण पांच-पांच ओवर का कर दिया गया था और हर गेंद निर्णायक महत्व रखती थी। लेकिन दुर्भाग्यवश, अभिषेक क्रीज पर टिक भी नहीं पाए। जैसे ही गेंद उनके बल्ले के पास से गुजरी, स्टंप्स की गिल्लियां बिखर गईं और अभिषेक को बिना खाता खिले ही पवेलियन की ओर लौटना पड़ा। यह न सिर्फ की गिल्लियां बिखर गईं और अभिषेक को बिना खाता खिले ही पवेलियन की ओर लौटना पड़ा। यह न सिर्फ

अभिषेक के लिए एक बड़ा व्यक्तिगत झटका था, बल्कि पूरी भारतीय टीम के लिए भी एक अविश्वसनीय शुरुआत थी, जिसने शुरुआती आत्मविश्वास को पूरी तरह से डगमगा दिया।

भारतीय टीम को जापान से जीत में आया पसीना

अंतिम गेंद पर 2 रन से जीत मिली



सानो एजेंसी।। भारत और जापान की पुरुष क्रिकेट के बीच यहां खेले गये ऐतिहासिक टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारतीय टीम को बड़ी मुश्किल में 2 रनों से जीत मिली। जापान के सानो में हुए इस रोमांचक मुकाबले में अंतिम गेंद तक संघर्ष चला । यह मुकाबला भारत और जापान के बीच राजनीतिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के

उपलक्ष्य में मारुति-सुजुकी कप के तहत खेला गया था ।यह मैच, उम्मीद से कहीं ज्यादा रोमांचक और अप्रत्याशित साबित हुआ । किसी ने नहीं सोचा था कि तीन बार की विश्व चैंपियन भारतीय टीम को एक नई टीम के खिलाफ जीत के लिए इतना संघर्ष करना पड़ेगा । मैच की शुरुआत ही अप्रत्याशित हालातों का सामान करना पड़ा । चक्रवात और खराब मौसम के चलते मैदान गीला था, जिसने 20-20 ओवर के मुकाबले को केवल पांच-पांच ओवर का किया गया ।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक दीप्ति दुबे द्वारा ए 1470, सेक्टर आई, एल.डी.ए. कालोनी, कानपुर रोड लखनऊ 226012 से प्रकाशित व तानु आफसेट, लालकृआं लखनऊ से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटया जायेगा । ***** टेलीफैक्स : 0522.3564414 फोन: 919839666352 आरएन.आई.: UPHIN/2004/18844 डाकपंजीयन :- जी-2 /यूज पेपर / 59 / 2004-5 E-mail: lokhastakshep@gmail.com संपादक : दीप्ति दुबे स्थानीय संपादक : अजय अजय संपादकीय सलाहकार: राधाकृष्णमिश्र

भारतीय महिला कबड्डी टीम ने बांग्लादेश को हराकर अपना अभियान शुरु किया

आइची एजेंसी। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने एशियाई खेलों में अपने अभियान की जीत से शुरुआत करते हुए पहले ही मुकाबले में बांग्लादेश को 42-21 से हराया है। भारतीय टीम ने टोकाई स्पिटिजन्स जिम्मेजियम में खेले गए ग्रुप-ए के अपने पहले मुकाबले में बांग्लादेश को 42-21 के बड़े अंतर से हराकर अपने इरादे जाहिर कर दिये हैं। इस जीत से तय है कि टीम लगातार तीसरे एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने की दावेदार है।

इस मुकाबले में भारतीय टीम ने रक्षात्मक रणनीति अपनाते हुए लगातार आक्रामक रुख अपनाया। भारतीय खिलाड़ियों के अच्छे तालमेल के कारण बांग्लादेश की टीम खेल के किसी भी चरण में ऊपर नहीं आ पायी। खासकर संजू देवी ने रेंडिंग में अपने बेहतरीन प्रदर्शन से टीम को लगातार अंक दिलाए। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत से ही अपना दबाव कायम कर लिया था। ऐसे में बांग्लादेशी रेडर्स के लिए बोनस लाइन तक पहुंचना भी कठिन हो गया। भारतीय रेडर्स ने लगातार सफल रेड करते हुए अंक बटोरे। वहीं, डिफेंस में मनीषा कुमारी लेफ्ट कवर से



बेहत प्रभावी रहीं, जिन्होंने कई महत्वपूर्ण टैकल किए। अपने अनुभव का लाभ उठाते हुए महत्वपूर्ण अंक हासिल किए। भारतीय टीम की इस शानदार रणनीति

एशियन खेलों में सुचिका को कांस्य पदक मिलने से संतुष्ट नहीं परिवार

बोला, उसे कम से कम रजत तो मिलना चाहिये था



स्थान मिलना चाहिए था । मुझे नहीं पता कि वेट कैटेगरी का मूल्यांकन कैसे किया गया, लेकिन देश के लिए पदक जीतने का उनका जज्बा हमेशा से मजबूत रहा है । हालांकि सुचिका कांस्य से खुश नहीं है । सिंगापुर की हुई हून दून के खिलाफ सेमीफाइनल में वह मुकाबले में पूरी तरह से हावी थी पर इसके बावजूद उसे हारा हुआ घोषित कर दिया गया ।

रोहतक एजेंसी। भारतीय मिक्स्ट मार्शल आर्ट्स (एमएमए) फाइटर सुचिका तरियाल को जापान में जारी एशियाई खेलों में कांस्य पदक मिला है । वहीं सुचिका का परिवार इससे संतुष्ट नहीं है और उसका मानना है कि सुचिका का प्रदर्शन जिस स्तर का था उससे उसे कम से कम रजत पदक मिलन चाहिये थे । सुचिका को महिलाओं के 60 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक मिला है । सुचिका को सेमीफाइनल में एक विवादित फैसले के बाद हार हुआ घोषित किया गया जिसको लेकर परिवार में नाराजगी है । परिवार की हार मानना है कि वह इससे कहीं बेहतर परिणाम की अधिकारी थी । गौरतलब है कि उत्तराखंड की मूल निवासी सुचिका की शादी हरियाणा में हुई थी । बहु की इस कामयाबी पर सुचिका की सास ने अपनी अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, सुचिका ने शुरु से ही लगातार अच्छे प्रदर्शन किया है और वह हर मुकाबले में पूरी ताकत के साथ बनी रही हैं । 2022 में भी वह चौथे स्थान पर रही थीं, और तब भी उन्हें लगा था कि वह बेहतर परिणाम की अधिकारी थीं । अब वह तीसरे स्थान पर रही हैं, हालांकि उन्हें लगा कि उन्हें दूसरा

एशियाई खेलों में पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम ने कांस्य पदक जीता

बांग्लादेश को 31 रनों से हराया



कोरोगी एजेंसी। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता है। पाक महिलाओं ने यहां तीसरे स्थान के लिए हुए एक रोमांचक मुकाबले में बांग्लादेश को 31 रनों से हराकर ये पदक जीता। इस मुकाबले में पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। पाक टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 145 रन बनाए थे। कप्तान फातिमा सना ने सबसे

अधिक 45 रन बनाये। फातिमा ने अपनी पारी में 3 छक्के और 3 चौके लगाए। इसके अलावा, गुल फिरोजा ने 23 गेंदों पर 31, आलिया रियाज ने 22 गेंदों पर 25 रन की पारी खेली, और शाबाल जुल्फिकार ने 17 रन बनाए। वहीं बांग्लादेश की ओर से नाहिदा अख्तर, शोरना अख्तर और औप रिंतू मोनी ने 2-2 विकेट लिए। संजीदा को 1 विकेट मिले।

इसके बाद जीत के लिए मिले 146 रनों

के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 114 रन ही बना पायी। इस प्रकार उसे हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही बांग्लादेश की टीम चौथे पर रही। बांग्लादेश की ओर से शरमीन अख्तर ने 45 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से 46 रन बनाये पर वह टीम को जीत नहीं दिला पायी। कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज निगार सुलताना ने 25 रन बनाए।



दिल्ली में एसआईआर के तहत नोटिस पाए मतदाताओं के घर जाएंगे निर्वाचन अधिकारी

नई दिल्ली एजेंसी। दिल्ली में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं को जारी किए गए नोटिस के बाद निर्वाचन विभाग ने सत्यापन प्रक्रिया तेज कर दी है। नोटिस पाने वाले मतदाताओं की समस्याओं के समाधान के लिए बृथ स्तर अधिकारी, निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी और सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों को उनके घर भेजने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार, नोटिस मिलने का अर्थ मतदाता का नाम मतदाता सूची से हटाया जाना नहीं है। किसी नाम को हटाने से पहले संबंधित मतदाता को सुनवाई का पूरा अवसर देना और उचित आदेश पारित करना अनिवार्य है।

दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अशोक कुमार के स्तर पर इस प्रक्रिया को गति देने के लिए अतिरिक्त सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों की तैनाती की जा रही है। वर्तमान में लगाए गए करीब 300 सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों की संख्या बढ़कर लगभग 900 किए जाने की तैयारी है। वहीं बृथ स्तर अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे नोटिस प्राप्त करने वाले मतदाताओं से संपर्क कर उनकी समस्याओं और दस्तावेजों से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराएं।

निर्वाचन विभाग के अनुसार, एसआईआर के



दौरान तैयार की गई प्रारूप मतदाता सूची में ऐसे मतदाताओं को चिह्नित किया गया है, जिनका नाम पिछली गहन पुनरीक्षण सूची से सीधे जोड़ा नहीं जा सका या जिनके विवरण में तार्किक विसंगतियां पाई गईं। ऐसे मतदाताओं को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। दिल्ली में 31 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की गई थी। इसमें करीब 97.54 लाख मतदाताओं के नाम हैं, जबकि पुनरीक्षण से पहले करीब 1.45 करोड़ मतदाता सूची में दर्ज थे। प्रारूप सूची में करीब 47.57 लाख नाम शामिल नहीं किए गए हैं। निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार, इनमें बड़ी संख्या ऐसे मतदाताओं की है जिन्हें अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहरे नाम वाली श्रेणियों के तहत चिह्नित किया गया है।

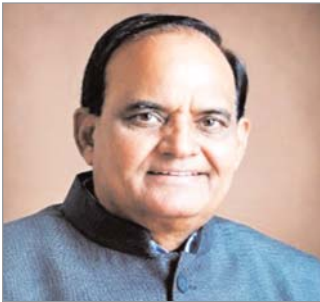
निर्वाचन विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, करीब 31.6 लाख मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं। इनमें ऐसे मतदाता शामिल हैं जिनका पिछली पुनरीक्षण सूची से मिलान नहीं हो पाया अथवा उनके विवरण में तार्किक विसंगतियां पाई गईं। व्यापक आंकड़ों में करीब 33.13 लाख मतदाताओं को इन दोनों श्रेणियों में चिह्नित किया गया है, हालांकि जारी किए गए नोटिसों की संख्या इससे कुछ कम है। इन नोटिसों में कई प्रमुख सार्वजनिक और राजनीतिक हस्तियों के नाम भी शामिल हैं। इनमें दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और नई

दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज सहित अन्य प्रमुख नाम शामिल हैं। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि एसआईआर के दौरान जारी किया गया नोटिस अपने आप में मतदाता का नाम हटाने का आदेश नहीं है। नोटिस का उद्देश्य मतदाता के विवरण का सत्यापन और आवश्यक सुधार करना है। किसी मतदाता का नाम बिना सुनवाई का अवसर दिए और उचित, कारणयुक्त तथा अपील योग्य आदेश के बिना मतदाता सूची से नहीं हटाया जा सकता। नोटिस प्राप्त मतदाता संबंधित निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी या सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के समक्ष आवश्यक दस्तावेज और अपना जवाब प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार, दस्तावेजों की सूची मार्गदर्शक प्रकृति की है। उपलब्ध दस्तावेजों और बृथ स्तर अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर संबंधित अधिकारी मामले का निर्णय करेंगे। एसआईआर के तहत प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की प्रक्रिया चल रही है। जिन पात्र नागरिकों का नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे 30 सितंबर तक निर्धारित प्रपत्र-6 भरकर नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह आवेदन संबंधित बृथ स्तर अधिकारी या निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के

माध्यम से ऑफलाइन तथा निर्वाचन आयोग के ऑनलाइन माध्यम से भी किया जा सकता है। निर्वाचन विभाग के अनुसार, नोटिसों का निस्तारण 29 अक्टूबर तक किया जाना है और इसके बाद चार नवंबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित करने और दावे-आपत्तियां दर्ज कराने में सहायता के लिए दिल्ली के विभिन्न मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और दिव्यांगजनों सहित ज़रूरतमंद मतदाताओं को प्रक्रिया पूरी करने में सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा बेघर नागरिकों और अन्य वंचित समूहों तक पहुंचने के लिए भी विशेष अभियान चलाया जा रहा है। निर्वाचन विभाग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने और एसआईआर के दौरान अपने विवरण का सत्यापन कराने का पर्याप्त अवसर मिले। दिल्ली में एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक और नागरिक स्तर पर सवाल भी उठाए गए हैं। इस मामले से संबंधित याचिका उच्चतम न्यायालय के समक्ष भी पहुंची है।

समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने जिला कलक्टर को लिखा पत्र, 19 करोड़ रुपये लागत की चार सड़कों के निर्माण में तेजी लाने की मांग

भरतपुर, एजेंसी। भरतपुर शहर से जुड़ने वाली 19 करोड़ रुपये लागत की चार प्रमुख सड़कों के निर्माण में अपेक्षित गति नहीं होने के कारण आमजन को परेशानी हो रही है। जिसके निर्माण में अपेक्षित गति की ज़रूरत है। इस सम्बन्ध में समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने जिला कलक्टर को पत्र लिख कर आग्रह किया है कि 3 करोड़ 13 लाख रुपये लागत की सारस चौराहे से बिजलीघर तक, 5 करोड़ 24 लाख रुपये की लागत वाली आर बी एम चौराहे से रीको रोड तक, 6 करोड़ 11 लाख रुपये लागत की कुम्हेर गेट सर्किल से कंजोली वाला एम ई एस तक तथा 4 करोड़ 44 लाख रुपये लागत की रेडक्रॉस सर्किल से चांदपोल रोड तक की सड़कों के निर्माण की गति इतनी धीमी है कि ये समय पर पूरी नहीं हो सकती। गुप्ता ने पत्र में कहा है कि यदि समयबद्ध मॉनिटरिंग, निर्माण में आ रही बाधाओं का शीघ्र समाधान करने, पर



निश्चय ही इन सड़कों के निर्माण में अपेक्षित गति आ सकती है। इनमें कई सड़कों का निर्माण अभी शुरू भी नहीं हो सका है और जो शुरू हो गई हैं, उनमें निर्माण गति काफी कम है। उन्होंने पत्र में यह भी कहा है कि कई सड़कों के निर्माण में धीमी प्रगति का कारण अतिक्रमण, क्रॉस सेक्शन की डिजाइन को अंतिम रूप नहीं होने, समय पर तकनीकी स्वीकृति जारी नहीं होने जैसी समस्याएं हैं। जिन्हें आपसी समझाइश, विभागों के आपसी समन्वय से दूर किया जा

सकता है। उन्होंने जिला प्रशासन से आग्रह किया कि संबंधित विभागों के अधिकारियों को बैठक बुलाकर प्रत्येक परियोजना की वर्तमान स्थिति, लंबित स्वीकृतियों और कार्य

में आ रही बाधाओं की प्रगति समीक्षा की जाए तथा प्रत्येक कार्य के लिए स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित कर निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर किया जाये।

बयाना नगर पालिका की नई अध्यक्ष बनीं उषा अग्रवाल, शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

बयाना, एजेंसी। नगर पालिका को नई अध्यक्ष मिल गई हैं। भाजपा प्रत्याशी उषा अग्रवाल ने सोमवार को पद और गोपनीयता की शपथ लेकर नगर पालिका अध्यक्ष का पदभार संभाल लिया। नगर पालिका कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान एसडीएम एवं रिटर्निंग अधिकारी अल्का श्रीवास्तव ने उन्हें शपथ दिलाई। बयाना नगर पालिका अध्यक्ष के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी उषा अग्रवाल निर्विरोध निर्वाचित हुईं। पदभार ग्रहण से पहले नगर पालिका कार्यालय में पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद एसडीएम अल्का श्रीवास्तव ने उषा अग्रवाल को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। पदभार संभालने के बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष उषा अग्रवाल ने शहर के विकास को लेकर अपनी प्राथमिकताएं बताईं। उन्होंने सफाई व्यवस्था, सड़कों की स्थिति, स्ट्रीट लाइट और ड्रेनेज व्यवस्था को प्राथमिकता देने की बात कही। साथ ही शहर में जलभराव की समस्या के समाधान, आधुनिक डंपिंग यार्ड और बेहतर पार्क विकसित करने पर भी जोर दिया।

आवश्यकता है

वाराणसी, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी दैनिक ‘लोक हस्तक्षेप’ के लिए आवश्यकता है महिला एवं पुरुष विज्ञापन प्रतिनिधियों की।

विज्ञापन के क्षेत्र में अनुभवी व फ्रेशर भी आवेदन कर सकते हैं।

सम्पूर्ण विवरण सहित आवेदन करें।

lokhastakshepcorp@gmail.com
WhatsApp : 9839666352

लोक हस्तक्षेप

The power of truth

वाराणसी | लखनऊ | नई दिल्ली



21 YEARS OF FEARLESS JOURNALISM DEFINING THE POWER OF TRUTH.

लखनऊ | वाराणसी | नई दिल्ली

